www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ...

पत्र नहीं; मित्र

संपर्क : deshbandhubpl1@yahoo.co.in

देशबन्धु

वर्ष – 34 I अंक – 308 I भोपाल, मंगलवार 7 नवम्बर 2023 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 3.00 रुपए

सार-समाचार

मोदी गरीब के नाम पर कर रहे हैं अमीरों की मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गरीब विरोधी बताते हुए कहा है कि वह गरीबों के नाम पर अमीरों को फायदा पहुंचाने का काम करते है। श्री खडगे ने पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर कहा कि श्री मोदी पहले गरीबों का मजाक उड़ाते थे लेकिन अब चुनाव आ गए है तो उन्हें इनकी फिर याद आ गई । पहले वह इन्हीं गरीबों का मज़ाक उड़ाते थे और उनको रेबड़ी बोलते थे। उन्होंने प्रवर्तन निदेशालय-ईडी जैसी सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री पर हमला किया और कहा कि वह चुनाव आते ही विपक्ष के नेताओं के खिलाफ ईडी की छापामारी शुरू करवा देते हैं और इन सरकारी एजेंसियों का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए करते हैं।

हीरालाल सामरिया ने ली सीआईसी प्रमुख पद की शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी। सूचना आयुक्त हीरालाल सामरिया को सोमवार को एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाई। राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति ने सामरिया को सीआईसी पद की शपथ दिलाई। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह सहित अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

राजौरी में सड़क दुर्घटना में 3 की मौत

जम्मू, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सोमवार को एक सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने कहा, एक टेम्पो ट्रैवलर वाहन कोटेरंका से राजौरी की ओर जा रहा था और पाल्मा में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटना में कई लोगों को चोटें आईं, जिनमें से तीन की मौत हो गई, जबकि अन्य को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है। अधिक विवरण की प्रतीक्षा है।

चुनाव ड्यूटी पर तैनात 2 पुलिसकर्मियों की मौत

आइजोल, एजेंसी। मिजोरम विधानसभा चुनाव के लिए तैनात किए गए एक पुलिसकर्मी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, जबकि एक अन्य की बीमारी से मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि 36 वर्षीय जेड लालमुआनजुआला अन्य कर्मियों के साथ सुदूर जारुलसूरी गांव में मतदान केंद्र की ओर जा रहे थे, उसी दौरान उनका वाहन लॉन्गटलाई जिले में एक ऊंची सड़क से पीछे की ओर फिसल गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य घटना में, पूर्वी मिजोरम के चम्फाई शहर के एक अस्पताल में बीमारी से एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। 40 सदस्यीय मिजोरम विधानसभा के लिए मंगलवार को चुनाव होंगे।

चुनाव सुरक्षा की कमान संभालेंगे 17 कंपनियों के जवान

उज्जैन, देशबन्धु। जिले की सातों सीटों पर विधानसभा चुनाव को शांति एवं सुरक्षित रूप से संपन्न कराने के लिए देश भर के अलग-अलग प्रदेशों से कुल 17 कंपनी उज्जैन पहुंच रही है। विशेष आर्म्स से लेस यह सुरक्षा कंपनी उज्जैन और जिले सहित सभी मतदान केंद्रों पर तैनात रहेंगी। यह कंपनी उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात और प्रदेश के अन्य हिस्सों से उज्जैन चुनाव की सुरक्षा कमान को संभालने के लिए पहुंचेगी। उज्जैन पुलिस लाइन के आरआई रणजीत राणा ने बताया कि उज्जैन शहर सहित जिले के कुल 1799 पोलिंग बूथ के लिए देश भर से कुल 17 कंपनियां उज्जैन पहुंच रही हैं। जिनमें 6 कंपनियां अभी तक उज्जैन पहुंच चुंकी हैं। 13 नवम्बर तक सभी कंपनियां उज्जैन पहुंच जाएंगी। एक सुरक्षा कंपनी में लगभग 90 से 100 के लगभग सुरक्षाकर्मी रहते हैं।

प्रियंका ने कुक्षी और इंदौर में जनसभाओं को किया सम्बोधित, बोलीं-

महंगाई-बेरोजगारी सबसे बड़ी समस्या

कुक्षी/इंदौर, देशबन्धु। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा कि देश की सबसे प्रमुख समस्याएं मंहगाई और बेरोजगारी है। श्रीमती गांधी ने कहा कि युवाओं की बेरोजगारी और महंगाई इस समय की सबसे बड़ी समस्या है। सरकारी पद खाली पड़े हैं। उन्होंने कहा कि रोजगार देने वाली कंपनियों को कुछ उद्योगपतियों के हाथों में देने से देश को इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मंच से पूछा कि अडानी और अंबानी जैसे उद्योगपति क्या बनाते हैं।

श्रीमती गांधी ने आज धार जिले के कुक्षी और इंदौर में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी जनसभाओं को सम्बोधित किया। मंहगाई पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्याज के दाम बढ़ने पर सरकार को घेर लेते थे, लेकिन अब वे कुछ नहीं बोल रहे।

उन्होंने कहा कि छोटे उद्योगपतियों को कोरोना और जीएसटी जैसी चीजों ने बर्बाद कर दिया, जीएसटी के कारण महंगाई इतनी ज्यादा बढ़ रही है। इस दौरान श्रीमती गांधी ने आदिवासी बहुल इस क्षेत्र में कहा कि जवाहर लाल नेहरू से लेकर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने कभी आदिवासियों की संस्कृति बदलने की कोशिश नहीं की। उनकी नीतियों से आदिवासियों का भला हुआ।

उन्होंने कहा कि लोग स्वर्गीय इंदिरा गांधी को इसलिए याद करते हैं, क्योंकि वे खोखली घोषणाएं नहीं करतीं थीं। उन्होंने लोगों के अधिकार उन्हें वापस किए। कांग्रेस की सरकारों ने लोगों को भोजन का अधिकार और मनरेगा जैसा अधिकार दिया। उन्होंने कांग्रेस की सरकार बनने पर जातिगत जनगणना की अपनी गारंटी को भी दोहराया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उद्योगपति अडानी एक दिन में 1600 करोड़ रुपए कमाते हैं, जबकि देश का एक किसान 27 रुपए कमाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 हजार करोड़ रुपए संसद को नया बनाने में खर्च कर दिए, लेकिन किसानों की कर्जमाफी से वे इंकार कर देते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने 22 हजार घोषणाएं कीं, लेकिन 22 भी पूरी नहीं कीं। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार की छत्तीसगढ़ की कांग्रेस की सरकार से तुलना भी की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में आवारा पशुओं की समस्या को भी गौठान बना कर दूर किया गया, जिनसे अब रोजगार भी पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज की राजनीति चुनाव में ध्यान भटकाती है। चुनाव आते ही लोग धर्म की बातें शुरु कर देते हैं। इसी कड़ी में उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील भी की।

प्याज के बढ़ते दामों को लेकर मोदी पर कसा तंज

प्रियंका गांधी ने कहा कि कांग्रेस के जमाने में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्याज के दाम बढ़ने पर सरकार को घेर लेते थे, लेकिन अब वे कुछ नहीं बोल रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने 22 हजार घोषणाएं कीं, लेकिन 22 भी पूरी नहीं कीं। इसके साथ ही उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार की छत्तीसगढ़ की कांग्रेस की सरकार से तुलना भी की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में आवारा पशुओं की समस्या को भी गौठान बना कर दूर किया गया, जिनसे अब रोजगार भी पैदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को गुस्से में मामाजी कहा जाता है, जबकि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री स्नेह से काका कहलाते हैं। उन्होंने राज्य सरकार पर कमीशन लेने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस की सरकार बनने पर जातिगत जनगणना की अपनी गारंटी को भी दोहराया।

शिवराज ने इंडिया गठबंधन को लेकर प्रियंका से पूछा सवाल

दिल्ली में दोस्ती और राज्यों में कुश्ती क्यों हो रही है

सिंगरौली, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से पूछा है कि इंडिया गठबंधन के लोगों की दिल्ली में दोस्ती और राज्यों में कुश्ती क्यों हो रही है और कांग्रेस पार्टी ऐसी दलदल क्यों बन गई है, जिसमें ये गठबंधन ही धंस गया।

चुनाव प्रचार के सिलसिले में यहां आए श्री चौहान ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि प्रियंका वाड्रा को यह जवाब देना चाहिए कि विपक्षी दलों का इंडी गठबंधन बना, जिसमें सपा है, आम आदमी पार्टी है, दिल्ली में दोस्ती और राज्यों में कुश्ती, ये दल आपस में ही लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख

अखिलेश यादव ने कल कहा कि कांग्रेस तो चालू पार्टी है। यह लोगों को ठगती है इस पर भरोसा करके हमने गलती की। इंडी गठबंधन वाले लोग ही कांग्रेस के बारे में कह रहे हैं कि कांग्रेस भरोसा करने लायक पार्टी नहीं है। अखिलेश यादव ये भी कह रहे हैं कि 80 साल के आदमी किसी को क्या पहचानेंगे। उन्हें तो कमलनाथ की उम्र पर ही संदेह है। राहुल गांधी को श्री कमलनाथ ने अपनी उम्र 72 साल बता दी। अब अखिलेश यादव कह रहे हैं कि कमलनाथ 80 साल के हैं। अब कमलनाथ सही उम्र तो बताएं कि उनकी सही उम्र क्या है?

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा कहती हैं कि भाजपा ने किसानों के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि भाजपा पीएम और सीएम किसान सम्मान निधि दे रही है, कांग्रेस ने तो वादा खिलाफी करते हुए किसानों का कर्ज भी माफ नहीं किया।

भीषण सड़क हादसा

पुलिया की रेलिंग तोड़कर रेलवे ट्रैक पर गिरी बस, 4 की मौत

दौसा, एजेंसी। राजस्थान के दौसा में भीषण हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई है। इस हादसे में 24 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग-21 पर हुआ है। यहां एक सवारी बस पुलिया की रेलिंग तोड़ती हुई नीचे रेलवे ट्रैक पर जा गिरी, जिससे ट्रेनों का आवागमन भी बंद हो गया है।

दौसा के डीएम कमर चौधरी के मुताबिक रविवार की देर रात करीब सवा 2 बजे यह भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां हरिद्वार से जयपुर की तरफ जा रही एक बस अनियंत्रित होकर लोहे की रेलिंग तोड़ती हुई पुलिया से नीचे गिर गई। बस सीधे जयपुर दिल्ली रेल मार्ग के ट्रैक पर जा गिरी। पुलिया से बस रेलवे ट्रेक पर गिरने की सूचना मिलने पर जिले में हड़कम्प मच गया और मौके के लिए पुलिस और एंबुलेंस की गाड़ियां दौड़ पड़ीं। हादसे के कुछ देर बाद ही जिले के आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए. हादसे की सूचना जैसे ही रेलवे कंट्रोल रूम को मिली तो तत्काल जयपुर-दिल्ली रेलमार्ग की अप और डाउन ट्रेक पर ट्रेनों का संचालन बन्द कर दिया गया। मौके पर रेलवे के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

त्योहारी सीजन में महंगाई से राहत देने की कवायद

अब सरकार बेचेगी भारत आटा

नई दिल्ली, एजेंसी। गेहूं की कीमतों में उछाल के बाद आटे के दामों में आई बढ़ोतरी को देखते हुए सरकार ने आम लोगों को सस्ते दामों पर आटा उपलब्ध कराने का फैसला लिया है। इसी दिशा में सरकार आज से सस्ते दामों पर भारत आटा बेचने का फैसला लिया है. 27.50 रुपए प्रति किलो के भाव पर भारत आटा उपभोक्ताओं को सरकार बेचेगी।

पीयूष गोयल ने की सौ वैन को हरी झंडी दिखाई

भारत ब्रांड नाम से आटा बेचने के लिए केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने 100 मोबाइल वैन को राजधानी के कर्तव्य पथ पर झंडा दिखाकर रवाना किया है। भारत आटा 27.50 रुपए में बेचा जाएगा। इन मोबाइल वैन के अलावा भारत आटा केंद्रीय भंडार पर उपलब्ध होगा। साथ ही सरकार की एजेंसियां नेफेड और एनसीसीएफ भी ये सस्ता आटा उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराएंगी। ये माना जा रहा है भारत आटा के जरिए सस्ते दामों पर उपभोक्ताओं को आटा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। साथ ही इसके जरिए आटा के बढ़ते दामों पर नकेल कसा जा सकेगा।

कीमतों पर नकेल कसने की कवायद

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इस मौके पर कहा कि सरकार के दखल के चलते जरूरी वस्तुओं की कीमतों पर नकेल कसने में मदद मिली है. उन्होंने बताया कि इससे पहले सरकार ने टमाटर और प्याज की कीमतों पर काबू पाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार पहले से ही 60 रुपए प्रति किलो के दाम पर भारत दाल उपभोक्ताओं को बेच रही है।

दिल्ली-एनसीआर में फिर हिली धरती

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और नेपाल में सोमवार को फिर भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.6 मापी गई। दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र तथा नेपाल में सोमवार को एक बार फिर से बहुत तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। तीन दिन के बाद ही दूसरे भूकंप ने लोगों को डरा कर रख दिया है। सूत्रों के अनुसार दिल्ली, एनसीआर सहित पूरे उत्तर भारत में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार में भी महसूस किए गए।

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.6 दर्ज की है। भूकंप का केन्द्र के नेपाल में होने की पुष्टि की गई है। इससे पहले नेपाल में तीन नवंबर को भी 6.4 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इसके कारण नेपाल में करीब 150 लोगों की मौत हो गई। गत 15 और 16 अक्टूबर को भी दिल्ली, एनसीआर सहित पूरे उत्तर भारत में भूकंप के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों व राज्य सरकारों के टकराव पर चिंता जताई, कहा-

राज्यपालों को जनता नहीं चुनती

- दोनों पक्षों को अपने अंदर झांकने की जरूरत
- पीठ ने केंद्र से राज्यपाल द्वारा की गई कार्रवाई पर विवरण उपलब्ध कराने को कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कई राज्यपालों और राज्य सरकारों के बीच लगातार 'टकराव' पर सोमवार को चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों पक्षों को आत्मावलोकन करने की जरूरत है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला एवं न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने सात विधेयकों के लंबित रहने के खिलाफ पंजाब सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए दोनों पक्षों को आत्मावलोकन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से मामले में इस मामले में राज्यपाल द्वारा की गई कार्रवाई पर विवरण उपलब्ध कराने को कहा। शीर्ष अदालत ने एक सख्त संदेश देते हुए कहा कि राज्यपालों को यह नहीं भूलना चाहिए कि वे निर्वाचित अथॉरिटी नहीं हैं। साथ ही अदालत ने लंबित मामलों से निपटने में संवैधानिक निकाय की विफलता पर राज्य सरकारों द्वारा शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। पीठ ने कहा, बजट सत्र बुलाने के लिए पार्टियों को शीर्ष अदालत जाने की आवश्यकता क्यों होनी चाहिए..ये राज्यपाल और मुख्यमंत्री द्वारा तय किए जाने वाले मामले हैं।

शीर्ष अदालत ने कहा, राज्यपालों को इस तथ्य से अनजान नहीं रहना चाहिए कि वे निर्वाचित प्राधिकारी नहीं हैं। पंजाब सरकार का पक्ष रख

रहे वरिष्ठ वकील ए एम सिंघवी ने कहा कि अध्यक्ष ने विधानसभा को फिर से बुलाया और विधानसभा ने सात विधेयक पारित किए हैं और राज्यपाल यह कहते हुए हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं कि सत्रावसान पर आप दोबारा विधानसभा नहीं बुला सकते। श्री सिंघवी ने कहा कि इस मामले पर अदालत को विचार करने की जरूरत है, क्योंकि राज्यपाल पूरी विधानसभा से पारित सात विधेयकों को लंबित रखे हुए हैं। अदालत ने हालाँकि, श्री सिंघवी से पूछा, आपको यह कहाँ से जानकारी मिली कि वह सहमति नहीं दे रहे हैं क्योंकि इसका सत्रावसान हो चुका है? इस पर श्री सिंघवी ने कहा कि जून में चार बिल भेजे गए थे और सत्र बुलाने पर आपत्ति जताते हुए राज्यपाल ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजा था। मुख्यमंत्री ने जवाब दिया लेकिन राज्यपाल ने वही आपत्ति जताई।

'बजट सत्र बुलाने के लिए पार्टियों को शीर्ष अदालत जाने की आवश्यकता क्यों होनी चाहिए..ये राज्यपाल और मुख्यमंत्री द्वारा तय किए जाने वाले मामले हैं।'

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने राज्यपाल का प्रतिनिधित्व करते हुए कहा कि राज्यपाल ने मामले में कुछ कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि वह शुक्रवार को ब्योरा उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने राज्य विधानसभाओं द्वारा संवैधानिक प्राधिकारों के दुरुपयोग के लिए सदन का उपयोग करने पर भी चिंता व्यक्त की।

श्री सिंघवी ने जैसे ही तेलंगाना मामले का जिक्र किया, पीठ ने कहा कि यह दूसरे राज्य में भी हुआ है और पूछा, पार्टियों को शीर्ष अदालत में क्यों आना चाहिए। इसे रोकना होगा। श्री सिंघवी ने तेलंगाना मामले में कहा जब राज्य ने अदालत में याचिका दायर की और तत्कालीन राज्यपाल ने कहा कि बिल पारित किए जाएंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता केके वेणुगोपाल ने केरल सरकार द्वारा दायर इसी तरह की याचिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एलडीएफ सरकार द्वारा दो साल से अधिक समय से लंबित बिलों से संबंधित याचिका दायर करने के बाद राज्यपाल ने कहा कि वह शीर्ष अदालत में इसका जवाब देंगे।

सार समाचार

पत्नी को लेने गए युवक के साथ साले ने की मारपीट

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली थानांतर्गत भुल्लनपुरा में पत्नी और बच्चों को कपड़े दिलाने के लिए ससुराल पहुंचे एक व्यक्ति के साथ उसी के साले ने गाली गलौंच कर मारपीट कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी संदीप पुत्र हरगोविंद जाटव निवासी भुल्लनपुरा ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि गत शाम वह अपनी पत्नी प्रियंका जाटव को अपने घर ले जाने के लिये ससुराल हड्डीमील आया था।

यहां उसने अपने साले कपिल जाटव से कहा कि मैं अपने बच्चों को कपड़ेदिलाने ले जाना चाहता हूँ, उन्हे मेरे साथ भेज दो। जिस पर साले ने मना कर दिया और गाली गलौंच करते हुए ईंट दे मारी, जो फरियादी के सिर में लगी। पुलिस ने फरियादी जीजा की शिकायत पर आरोपी साले पर मारपीट सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

सिटी कोतवाली पुलिस ने दबोचे तीन वारंटी

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली पुलिस द्वारा अलग-अलग प्रकरणों में लंबे समय से फरार 3 स्थाई वारंटियों को गिरफ्तार किया है। दरअसल आगामी विधानसभा चुनावों को मद्देनजर रखते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गुना श्री विजय कुमार खत्री द्वारा जिले में फरार वारंटियों, इनामी बदमाशों आदि सहित विभिन्न अपराधों में फरार आरोपियों की धरपकड हेतु अधीनस्थों को सख्त निर्देश दिये गये हैं। इसी सिलसिले में सीएसपी श्वेता गुप्ता के मार्गदर्शन में गुना कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक अनूप कुमार भार्गव एवं उनकी टीम द्वारा गुना कोतवाली के अप.क्र. 923/17 धारा 341, 323, 294, 506, 34 भादवि व न्यायालय गुना के प्रकरण क्रमांक 6320/17 में न्यायालयीन कार्यवाही से लंबे समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी विक्की जाट निवासी ग्राम बेंहटा थाना कोलारस के संबंध में आज मुखबिर से प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण में लंबे समय से फरार वारंटी विक्की पुत्र शिवराज सिंह जाट ग्राम बेंहटा थाना कोलारस जिला शिवपुरी हाल राधा कालोनी गुना को उसके गांव बेंहटा से गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है ।

इसी प्रकार कैंट थाने के अप.क्र. 427/09 धारा 342, 374, 323, 34 भादवि व न्यायालय गुना के प्रकरण क्रमांक 2750/09 में न्यायालयीन कार्यवाही से लंबे समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी प्रीतम छारी निवासी बूढे बालाजी गुना के संबंध में मुखबिर से मिली सूचना पर तत्परता से कार्यवाही करते हुये प्रकरण में लंबे समय से फरार वारंटी प्रीतम पुत्र कल्लू छारी उम्र 43 साल निवासी ग्राम गढवा थाना कचूरा, जिला झांसी उत्तरप्रदेश हाल बूढे बालाजी गुना को उसके गांव गढवा से गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है । जबकि न्यायालय गुना के चैक बाउंस के प्रकरण क्रमांक 437/17 धारा 138 एन.आई. एक्ट में न्यायालयीन कार्यवाही से लंबे समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी परमाल सिंह परिहार निवासी ग्राम लेंदा, थाना दिनारा के संबंध में आज मुखबिर से प्राप्त सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रकरण में लंबे समय से फरार वारंटी परमाल सिंह पुत्र गनपत सिंह परिहार उम्र 41 साल निवासी ग्राम लेंदा, थाना दिनारा जिला शिवपुरी को करैरा जिला शिवपुरी से गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है।

भाजपा को लगा झटका तैयारी

चार दिग्गज कांग्रेस में शामिल

गुना, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव के बीच भारतीय जनता पार्टी को एक ही दिन में कई बड़े झटके लगे हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया में आस्था रखने वाले चार नेताओं ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा छोडक़र कांग्रेस का दामन थाम लिया। यह सभी नेता अपने-अपने क्षेत्रों के जाने-पहचाने चेहरे हैं, जिनके कांग्रेस में शामिल होने पर पार्टी को मजबूती मिलेगी, वहीं सिंधिया खेमे में खलबली देखी जा रही है। सदस्यता ग्रहण करते समय जा कांग्रेस अध्यक्ष मेहरबान सिंह और प्रदेश महामंत्री हरिशंकर विजयवर्गीय खासतौर से मौजूद थे। भारतीय जनता पार्टी के कई दिग्गज नेताओं ने सोमवार

को राघौगढ़ पहुंचकर पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह के समक्ष कांग्रेस की सदस्यता ली है। भाजपा छोडऩे वालों में ज्योतिरादित्य सिंधिया के खास सिपहसालार और भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी संजीव विजयवर्गीय शामिल हैं यहीं नहीं कैंट क्षेत्र के पूर्व पार्षद शत्रुघ्न शर्मा, पूर्व पार्षद अविनाश पारोछिया, मोहित शर्मा (मोनू) भी अपने अपने साथियों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए हैं।

इन नेताओं के भाजपा छोडऩे के बाद माना जा रहा है कि ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थकों का उनपर से भरोसा उठता जा रहा है और वे अपनी मूल पार्टी में वापस लौट रहे हैं। बताया जा रहा है कि 17 नवम्बर से पहले कुछ और चर्चित सिंधिया समर्थक नेताओं के कांग्रेस में शामिल होने की संभावना है।

पीएम की सभा को लेकर तैयारियां जोरों पर व्यवस्था

गुना, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव में भाजपा-कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक दलों का प्रचार चरम पर पहुंच गया है। 8 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गोपालपुरा स्थित दशहरा मैदान पर विशाल आमसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान मंच पर प्रदेश स्तरीय भाजपा पदाधिकारियों, सांसद के अलावा चारों विधानसभाओं के भाजपा प्रत्याशी एवं अशोकनगर-शिवपुरी के भाजपा के प्रत्याशी भी मंचासीन रहेंगे।

वहीं पीएम मोदी की सुरक्षा में चप्पे-चप्पे पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। इस दौरान 1 डीआईजी, 10 एसपी, 20 एडिशनल एसपी, 40 डीएसपी सहित 2000 जवानों का फोर्स तैनात रहेगा। इसके लिए जिला पुलिस ने अतिरिक्त बल मांगा है। प्राप्त जानकारी के अनुसा पीएम बुधवार को दोपहर 1ः30 बजे गोपालपुरा स्थित दशहरा मैदान में आमसभा को संबोधित करेंगे। इसके लिए भाजपा द्वारा घर-घर पीले चावल देकर सभा में आने का न्यौता दे रही है। वहीं दशहरा मैदान पर पीएम के आगमन को लेकर विशाला स्टेज बनकर तैयार है। सोमवार को दशहरा मैदान पर डॉग स्क्वायड टीम ने पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लियाा। पीएम की सभा को लेकर यहां बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर पुलिस और जिला प्रशासन मुस्तैद हो गया है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए चाक चौबंद व्यवस्था की जा रही है। सभा में करीब दो हजार पुलिस जवान तैनात रहेंगे। एसपीजी के अधिकारियों के साथ पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों, भाजपा नेता तमाम तरह की तैयारियों का जायजा ले चुके हैं। इसके अलावा डॉग स्क्वाड, एडी स्क्वाड, एसपीजी का तगड़ा सुरक्षा घेरा होगा।

भाजपा प्रत्याशी शाक्य ने ग्रामीण क्षेत्रों में घर घर जनसंपर्क

गुना, देशबन्धु। गुना विधानसभा क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी पूर्व विधायक पन्नालाल शाक्य ने अपने निर्धारित जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत सोमवार को बजरंग गड़ मंडल के ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क कर आने बाली 17 तारीख को कमल खिलाकर भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत से जिताने का आग्रह किया। भाजपा जिला मिडिया प्रभारी विकास जैन ने बताया कि भाजपा प्रत्याशी पन्नालाल शाक्य ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बजरंगगढ़ मंडल में जनसंपर्क के दौरान देवरीमार, कोलुआमार, भौरा गिर्द, भौराचक्क, गुजराई, नटाई, पिपरोदा गिर्द, घटावदा, देहरी खुर्द, बूढ़ा खेड़ा, रूसल्हा, प्यासी, खामखेड़ा, भौरा, रातिखान, मोहरीकलां आदि ग्रामों में पहुंचकर सर्व समाज के बीच जनसंपर्क करते हुए भाजपा के लिए समर्थन मांगा। साथ ही भाजपा जनों पीले चावल देकर 8 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दशहरा मैदान गुना में विशाल आमसभा में सम्मिलित होने जनता से आग्रह किया।

जन संपर्क के दौरान पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह सलूजा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रविंद्र सिंह रघुवंशी, जिला उपा अशोक शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी विकास जैन, भाजपा जिला सहकारिता प्रकोष्ठ जिला संयोजक बारेलाल धाकड़, पगारा मंडल अध्यक्ष अमित शर्मा, बजरंग मंडल अध्यक्ष राजकुमार रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यकर्ताओं ने वार्ड 18 एवं 22 में किया जनसंपर्क : भाजपा को इतिहासिक मतों से जिताने भाजपा कार्यकर्ताओं ने अपने संपर्क में गति बड़ाते नगर के वार्ड 19 और 22 में जन संपर्क कर भाजपा प्रत्यासी पन्नालाल शाक्य को भारी मतों से जिताने का आग्रह किया। इस मौके पर ममता पन्नालाल शाक्य, नगर पालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता, अरविंद गुप्ता, भाजपा जिला मिडिया प्रभारी विकास जैन, पार्षद बहादुर लोधा, गौरव अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता जन उपस्थित रहे।

बमोरी को भ्रष्टाचार मुक्त बनाकर विकास कराना मेरा उद्देश्य : अग्रवाल

गुना, देशबन्धु। बमोरी से कांग्रेस के युवा प्रत्याशी ऋषि अग्रवाल ने सोमवार को क्षेत्र के एक दर्जन के करीब गांवों में सघन जनसंपर्क किया। इस मौके पर उन्होंने जनसंपर्क की श्रीगणेश ग्राम पटना से किया। यहां ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया। तत्पश्चात श्री अग्रवाल क्रमशः शेरपुर, सोनखरा, गढ़ला, मुदोल, लपचौरा, मानपुर, पाटन, बांसखेड़ी, विशनवाड़ा, जौहरी, जैतपुरा, बड़ोदिया सहित अन्य गांवों में पहुंचे। यहां ग्रामीणों ने उनका ढोल नगाड़ों और फूलमालाओं से स्वागत किया।

इस अवसर कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा घर-घर दस्तक देकर माताओं और बहनों का आशीर्वाद लिया। वहीं युवाओं को गले लगाते हुए उन्होंने कमलनाथ सरकार आने पर युवाओं, किसानों, महिलाओं और मजदूरों के लिए योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि युवाओं को रोजगार के मौके मिले, क्योंकि बमोरी क्षेत्र के नौजवानों का भविष्य हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती है। आने वाली 17 तारीख को होने वाले मतदान में आपको भ्रष्टाचार और गुलामी से मुक्ति के लिए बटन दबाने का काम करना है। श्री अग्रवाल ने कहा कि चुनाव केवल किसी पार्टी या किसी व्यक्ति का चुनाव नहीं है यह प्रदेश के भविष्य और नौजवानों के भविष्य का चुनाव है। इस अवसर पर श्री अग्रवाल ने कहा कि बमोरी मेरा परिवार है। मुझे बमोरी में कई सिंचाई योजनाएं लाना है। जहां जरूरत है वहां बांध, तालाब बनाना मेरी प्राथमिकता है।

चूंकि बमोरी किसान आधारित क्षेत्र है। क्षेत्र में नियमित बिजली की आपूर्ति करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। श्री अग्रवाल ने कहा कि दस सालों में बमोरी में बिल्कुल विकास नहीं हुआ है। किसान बिजली, सडक़ को लेकर परेशान है। गांवों में शिक्षा की हालत खराब है। इस अवसर पर जनता के बीच कांग्रेस प्रत्याशी श्री अग्रवाल ने बमोरी को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में कमीशन की सरकार चल रही है। आज बमोरी में सबसे बड़ा मुद्दा भ्रष्टाचार का है।

पीएचई के कर्मचारी पर आधा दर्जन लोगों ने किया हमला

गुना, देशबन्धु। सिटी कोतवाली थानांतर्गत पठार मोहल्ले में आधा दर्जन से अधिक लोगों ने नगरपालिका के पीएचई में कार्यरत कर्मचारी के साथ लाठी-डंडे के साथ मारपीट कर दी। जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। इस मामले में पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों पर मारपीट, तोडफ़ोड़ सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बूढ़े बालाजी हरिपुर रोड निवासी फरियादी राहुल पिता कल्याण सिंह लोधा (23) सोमवार सुबह 10ः30 बजे के करीब बाईक से नपा में ड्यूटी करने जा रहा था। तभी पठार मोहल्ला शिव मंदिर के पास रवि चंदेल, केशव चंदेल, जय चंदेल सहित दो-तीन अन्य लोगों ने उसे घेर लिया। यहां अचानक आरोपियों ने उस पर लाठी-डंडे बरसाने शुरू कर दिए। जिसमें फरियादी राहुल के सिर, हाथ-पैर में चोटें आई हैं। वहीं आरोपियों ने युवक की मोटर सायकिल में भी तोडफ़ोड़ कर दी। फरियादी के अनुसार उसकी कोई पुरानी रंजिश भी नहीं है। घटना में उसके दो हजार रुपए नगद एवं एक सोने की अंगूठी भी गायब हो गई। फिलहाल पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों पर धारा 294, 323, 327, 427, 506, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज किया है।

प्रगतिशील किसान और सरल स्वभाव के धनी थे मोती सिंह ठाकुर : परमार

आष्टा, देशबन्धु। प्रगतिशील कृषक और विनम्र स्वभाव के समाजसेवी एवम राजनीतिज्ञ स्वर्गीय मोतीसिंह लाखु खेड़ी क्षेत्र में अपनी स्पष्टवादिता प्रखरता और सूझबूझ से विशेष पहचान रखते थे। उन्होंने अपने जीवन में धर्म कर्म और अध्यात्म में संतुलन बनाकर अनेक सफलताएं प्राप्त की। समय अनुकूल निर्णय लेकर कृषि कर्म के साथ ही उन्होंने अपनी अगली पीढ़ी को व्यवसाय के क्षेत्र में भी स्थापित किया। उनका जीवन सभी तरह से हमारे लिए प्रेरक रहेगा। यह विचार प्रदेश कांग्रेस महासचिव कैलाश परमार ने क्षेत्र के दिवंगत कांग्रेस नेता तथा प्रगतिशील किसान मोती सिंह लाखू खेड़ी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए व्यक्त किए । श्रद्धांजली सभा में पूर्व ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष ओंकार सिंह ठाकुर,खाती समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रहलाद सिंह वर्मा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दशरथ सिंह मुरावर, अजीत कुमार जैन, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष प्रदीप प्रगति, पूर्व पार्षद शैलेश राठौर , बाबूलाल मालवीय सहित अनेकजन ने उनके ज्येष्ठ पुत्र विजेंद्र सिंह ठाकुर को श्रद्धांजलि पत्रक भी सौंपा।

पुलिस महानिरीक्षक ने स्ट्रांग रूम का लिया जायजा

गुना, देशबन्धु। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशानुसार विधानसभा निर्वाचन से संबंधित तैयारियां निरंतर जारी है। गुना जिले के चारों विधानसभा 28-बमोरी, 29-गुना, 30-चांचौडा एवं 31-राघौगढ से संबंधित ईव्हीएम स्ट्रांग रूम शासकीय पीजी महाविद्यालय गुना में बनाये गये हैं। आज पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर डी. श्रीनिवास वर्मा द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से सभी विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रांग रूम का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने आवश्यक तैयारियों के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान आज मतदान दलों का पीजी महाविद्यालय गुना में आयोजित किये जा रहे द्वितीय चरण के प्रशिक्षण का भी अवलोकन किया गया।

बमौरी में सिसोदिया की पत्नी औरा पुत्र कर रहे प्रचार

गुना, देशबन्धु। बमौरी विधानसभा के भाजपा प्रत्याशी महेंद्र सिंह सिसोदिया खुद अकेले ही नहीं बल्कि उनके परिजन भी इस चुनावी समर में कूद गये हैं ।एक ओर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती शिवा राजे अपने पति के लिए गाँव गाँव घूम कर जनसंपर्क कर प्रचार कर रहीं हैं तो दूसरी ओर और पुत्र रुद्र राज भी अपने पिता के लिए घर घर घूमकर समर्थन जुटा रहे हैं। सोमवार को शिवराजे सिसोदिया ने बमौरी विधानसभा के ग्राम उमरी, आरी , मोहनपुर, रानीगंज में महिला मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ सघन जनसंपर्क किया एवं प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना आदि के बारे में महिलाओं के बीच पहुँचकर प्रचार प्रसार कर भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील कर रही हैं ।उनके साथ महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष श्रीमती राजेश राजपूत व अन्य पदाधिकारी सहित उनकी पारिवारिक सदस्य उपस्थित रहीं। वहीं उपके पुत्र रुद्र राज सिसोदिया भी युवा साथियों के साथ गाँव गाँव घूमकर अपने पिता द्वारा किए गए विकास कार्यों के बारे में बताकर भाजपा को वोट देने की अपील कर रहे हैं। रुद्र राज अपने विदेश में रहकर उच्च शिक्षा ग्रहण की है मगर अपने मिलनसार और हंसमुख व्यक्तित्व के कारण युवाओं और महिलाओं में उन्हें भरपूर प्रेम और समर्थन मिल रहा है।

भाजपा प्रत्याशी बोले: विकास किया है-विकास करेंगे

आष्टा, देशबन्धु। विकास का दूसरा नाम है भाजपा,भाजपा की सरकार देश मे ओर जिन प्रदेशों ने वहां विकास का इतिहास लिखा गया है। हमने विकास किया है और विकास करेंगे ये कहना है भाजपा प्रत्याशी गोपाल सिंह इंजीनियर का, जो अपने तूफानी चुनावी जनसंपर्क दौरे के दौरान सिद्धिकगंज मंडल के ग्राम झरखेड़ा, खेनियापूरा,लाखूखेड़ी, कन्नौद मिर्जी, पिपलिया, पगारियाहाट ,जसमत, धरम पुरी नरपखेड़ी, श्यामपुरा, छायन पगारा, ग्रामों के ग्रामीण जनों से मुलाकात करने पहुंचे थे। उन्होंने मतदाताओं से भाजपा के पक्ष में भारी मतदान करके पुनः पार्टी को जिताने का आह्वान किया। भाजपा प्रत्याशी गोपाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता मिल कर एक बार फिर से आष्टा विधानसभा क्षेत्र में ही नहीं बल्कि सीहोर जिले की चारों विधानसभा सीट पर भाजपा के प्रत्याशियों को जीत दिलाएंगे। ओर पुनः भारतीय जनता पार्टी की सरकार मप्र में बनेगी।

पुलिस ने जुआ खेलते 4 आरोपियों को पकड़ा

आष्टा, देशबन्धु। जुआ खेलते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आगामी विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए अवैध जुआ सट्टा खेलने वाले अवैध शराब का विक्रय करने वाले व अवैध शस्त्र रखने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही की जावे। इसी तारतम्य मे पुलिस द्वारा अमलाहा क्षेत्र मे कार्यवाही करते हुए 17460 रुपए का जुआ पकडकर 4 आरोपियों को हिरासत मे लिया पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ व्यक्ति अमलाहा से खमलाय जाने वाले मार्ग पर जुआ खेल रहे है । इस पर वैधानिक कार्यवाही करते पुलिस के द्वारा दबिश देकर आरोपी रोहित पिता कुंवरलाल वर्मा उम्र 29 साल बाबू खॉ पिता शहीद खॉ उम्र 24 साल अनिल पिता मदनलाल वर्मा उम्र 29 साल जगदीश पिता करणसिंह राजपूत उम्र 47 साल को पकडने मे सफलता प्राप्त की। एवं 17460 रूपए जब्त किए।इस सफलता मे निरीक्षक थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र सिंह राठौर, उप निरीक्षक अविनाश भोपले चौकी प्रभारी अमलाहा, सहायक उप निरीक्षक रमेश मांझी, सहायक उप निरीक्षक शिवचरण, प्रधान आरक्षक सुरेश, आरक्षक हरिभजन, शुभम, अमन, सतीश, विनोद, हरिओम, गुलाब, आरक्षक शेलेन्द्र, चेतन, संजय, सैनिक आनन्द, तेजसिंह, की सराहनीय भूमिका रही।

भाजयुमो ने नगर में निकाली वाहन रैली

आष्टा, देशबन्धु। भाजपा प्रत्याशी गोपाल सिंह इंजीनियर के पक्ष में भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष मनीष धारवां के नेतत्व में वाहन रैली निकाली गई। रैली नगर के मुख्य मार्गो में कालोनी चौराहा भोपाल नाका बुधवार पुराना बस स्टैंड अलीपुर, चौपाटी, सेमिनरी, अंजनी नगर, शांति नगर होते हुए शगुन गार्डन में समापन हुआ।

रैली में मतदाताओं से भाजपा प्रत्याशी गोपाल सिंह इंजीनियर के पक्ष में मतदान करके आष्टा नगर के विकास में योगदान देने का निवेदन किया गया। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष अतुल शर्मा, तेजसिंह राठौर, रूपाली चौरसिया, संगीता शर्मा,संध्या बजाज, कल्लू मुकाती, पवन सेन, प्रकाश कुशवाह, गुड्डू भाई, गणेश सोनी, नंद किशोर आदि उपस्थित थे।

देहली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, आष्ट ने मनाया भव्य वार्षिक उत्सव युगांतर

छात्र छात्राओं ने दी कार्यक्रम में रंगारंग प्रस्तुतियां, श्रोताओं का मन मोह

आष्टा, देशबन्धु। *शुजालपुर रोड स्थित देहली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल ने गत दिवस वार्षिक उत्सव मनाया। जिसमें बच्चों की शानदार एवं मनमोहक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया, इसके साथ ही अतिथि सत्कार हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. सेंथिल कुमार अरुमुगम कुलपति वीआइटी भोपाल, कंचन सक्सेना जिला न्यायाधीश, श्रीमती वंदना त्रिपाठी न्यायिक मजिस्ट्रेट, आशीष त्रिपाठी एडीपीओ तथा विद्यालय संचालक ध्रुवकुमार तिवारी उपस्थित थे। इस दौरान स्कूल के बच्चों ने कई रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिसमें म्यूजिक ग्रुप द्वारा आर्केस्ट्रा की प्रस्तुति, प्री प्राइमरी के छात्रों द्वारा दशावतार तथा सतयुग के नरसिंह अवतार तथा होलिका दहन, त्रेतायुग में हुए गंगा अवतरण,*

द्वापरयुग की गुरु शिष्य परंपरा, कृष्ण लीला तथा कालिया नागमर्दन और नारी सम्मान की द्रोपदी महाभारत कथा तथा नवयुग (कलियुग) में कल्कि अवतार, सम्राट अशोक, गौतम बुद्ध की जीवनगाथा इसरो तथा चंद्रयान - 3 की उपलब्धियों की शिक्षाप्रद तथा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। जिनका उद्देश्य प्रकृति संरक्षण, भारत की श्रेष्ठता का दर्शन तथा छात्रों का नैतिक, बौद्धिक, मानसिक विकास और अच्छे गुणों का विकास करना है ।मुख्य अतिथि ने कहा कि बच्चों को अच्छा नागरिक बनाने में माता-पिता के बाद शिक्षण संस्थानों का अहम योगदान होता है। शिक्षकों को बच्चों को संस्कारवान बनाने के लिए गुणवत्तापरक शिक्षा देनी चाहिए।

इस अवसर पर स्कूल की प्राचार्या डॉ. संगीता सिन्हा ने स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट साझा की और अभिभावकों को स्कूल की उपलब्धियों को क्रम से सूचीबद्ध अवगत किया। इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमेन सैयद ज़ावेद अली, ध्रुव कुमार तिवारी, बहादुर सिंह सेंधव, ज्ञानसिंह ठाकुर, श्रीमती पायल अली, आदिल अली विद्यालय प्राचार्या डॉ. संगीता सिन्हा तथा विद्यालय के समस्त अध्यापक अध्यापिकाएं, अभिभावक गण तथा छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

प्राचार्या ने कहा कि सभी छात्रों के बौद्धिक, सांस्कृतिक, नैतिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए राष्ट्रीय एकता की भावना सुदृढ़ करते हुए सामाजिक समता के लिए 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना विकसित करने के उद्देश्य से श्युगांतर 2023 वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन एकेडमिक कोऑर्डिनेटर रामकृष्ण शर्मा द्वारा किया गया।

देशबन्धु

वर्ष – 34 I अंक – 308 I भोपाल, मंगलवार 7 नवम्बर 2023 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 3.00 रुपए

उखड़ने लगी 4 साल संघर्ष के बाद पौने 3 करोड़ से बनी सड़क

भोपाल, देशबन्धु। राजधानी में 4 साल के संघर्ष के बाद पौने तीन करोड़ रुपए में बनी एमजीएम मार्ग खजूरी कलां से भोपाल बायपास तक की सड़क कुछ ही दिनों उखडने लग गई। इससे नाराज होकर रहवासी धरने पर बैठ गए। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन किया है।

अवधपुरी परिक्षेत्र जन कल्याण महासमिति रमन तिवारी ने बताया कि एमजीएम मार्ग खजूरी कलां से भोपाल बायपास तक की सड़क से अवधपुरी की 39 कॉलोनियों के 25 से 30 हजार लोग हर रोज आना-जाना करते हैं। लेकिन जर्जर हो चुकी इस सड़क के निर्माण के लिए चार साल से घर-घर जाकर हस्ताक्षर अभियान चलाया था। चूंकि इस सड़क के निर्माण में सबसे बड़ी बाधा एमजीएम स्कूल था। लिहाजा इनकी सहमति से करीब सवा एकड़ जमीन सरकार को दान कराई। इसके बाद 6 महीने पहले मास्टर प्लान की करीब 15 साल से प्रस्तावित इस 1.64 किमी सड़क का टेंडर 2.83 करोड़ रुपए में हुआ था। लेकिन नगर निगम के सिविल विभाग ने जो टेंडर निकाला वह सिर्फ सड़क बनाने का था। उसमें सड़क के बीचों बीच बनने वाला मार्ग विभाजक (सेंट्रल वर्ज) नहीं था, जबकि निगम के इलेक्ट्रिकल विभाग ने बिजली कंपनी से सेंट्रल वर्ज के प्रावधान के आधार पर एनओसी मांगी, जिसे बिजली कंपनी ने जारी कर दी। निगम के सिविल और इलेक्ट्रिक विभाग की आपसी खींचतान के कारण ठेकेदार ने बीच सड़क पर बिजली के करीब सवा सौ खंभे हटाए बिना ही सड़क बना दी। इस सड़क बनने के बाद कई कालोनियों के लोगों के चेहरे पर खुशी छा गई थी। चूंकि पटेल नगर से प्रवेश के बाद इस रास्ते से एमजीएम स्कूल होते हुए एम्स, होशंगाबाद रोड और 11 मील बायपास का सीधे जुड़ाव हो गया। वहीं इस सड़क के बन जाने के बाद रायसेन रोड से एम्स और आरकेएमपी पहुंचने में जहां पहले 25 से 30 मिनट लगते थे। अब यह दूरी 5 मिनट की रह गई थी। लेकिन हाल ही में बनकर तैयार हुई सड़क के घटिया निर्माण से स्थानीय रहवासी नाराज हैं। चूंकि इस सड़क पर डामर की पतली परत चढ़ा दी गई है, जो जरा से झटके में उधड़ कर बाहर निकल रही है। इसके चलते लोगों को फिर गड्ढों में सफर करने की मजबूरी बनना तय है। रहवासी सड़क के घटिया निर्माण में सबसे ज्यादा जिम्मेदार नगर निगम के इंजीनियर है, जिनकी देखरेख में यह सड़क बनाई है।

रहवासी धरने पर बैठे

लिहाजा खराब सड़क और उसके बीचों बीच लगे बिजली के खंभों को लेकर बीडीए रोड से सटी कॉलोनी के रहवासियों ने सड़क पर धरना दिया। रहवासियों में इस बात को लेकर आक्रोश है कि विधायक के कहने पर मतदाताओं को लुभाने के लिए नगर निगम ने जल्दबाजी में ऐसा गुणवत्ता हीन काम कराया है। इधर सड़क के घटिया निर्माण के कारण धरने की सूचना मिलने पर गोविंदपुरा से कांग्रेस के प्रत्याशी रविंद्र साहू धरना स्थल पर पहुंचे तो रहवासियों ने उनकी मौजूदगी में पुलिस व प्रशासन के अफसर को बनाई गई घटिया सड़क की परतें उखाड़ कर दिखाई। इस मौके पर कांग्रेस प्रत्याशी रविंद्र साहू ने कहा कि गोविंदपुरा क्षेत्र में सड़कें खराब हैं और जो निर्माण हो रहे हैं उसका नमूना आज लोगों ने खुद पुलिस कर्मचारियों अधिकारियों को दिखाया है। उन्होंने कहा कि गोविंदपुरा में 50 सालों से एक ही पार्टी एक ही परिवार का राज है। इसके बावजूद यहां गुणवत्ता हीन विकास कार्य कराए जा रहे है।

सवा 3 हजार कर्मचारियों ने लिया चुनावी प्रशिक्षण

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल के कुल 9 हजार कर्मचारियों तीन दिवसीय चुनावी प्रशिक्षण सोमवार से शुरू हो गया है। आज पहले दिन 3 हजार 376 कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया जाना था। लेकनि 3 हजार 276 कर्मचारी ही शामिल हुए यानी सौ कर्मचारियों ने प्रशिक्षण में हिस्सा नहीं लिया।

कर्मचारियों के प्रशिक्षण का पहला सत्र सुबह 8 बजे से शुरू हुआ, जो दोपहर साढ़े 12 बजे तक चला। वहीं दोपहर 2 बजे के बाद दूसरा सत्र शुरू हुआ, जो शाम 5 बजे तक चला। मोतीलाल विज्ञान कॉलेज और महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज में हुए प्रशिक्षण प्रत्येक सत्र में कुल 105 मास्टर ट्रेनर्स ने 900-900 कर्मचारियों को चुनाव से जुड़ी हर जानकारी दी गई। इस दौरान कर्मचारियों को ईवीएम, मॉक पोल, वोटिंग, मतदान सामग्री लेने से लेकर जमा कराने तक की प्रक्रिया सिखाई गई। प्रशिक्षण के दौरान ही कर्मचारियों ने डाक मत पत्र भी डालें।

ककहरा सीखाने के बाद भी 98 हो गए फैल

इधर प्रशिक्षण के तुरंत बाद ही कर्मचारियों की परीक्षा भी ली गई। इसके जरिए यह पता लगाया गया कि कर्मचारियों ने प्रशिक्षण को कितनी गंभीरता से लिया है। परीक्षा में कर्मचारियों से कुल 25 प्रश्न पूछे गए। मास्टर ट्रेनर्स ने उत्तर पुस्तिकाओं की जांच की। इनमें 98 कर्मचारी परीक्षा में पास नहीं हो सके। लिहाजा अब उन्हें मंगलवार को दोबारा से प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं प्रशिक्षण से गायब कर्मचारियों पर निलंबन की गाज गिरेगी।

पी-2 और पी-3 के लिए यह अंतिम प्रशिक्षण

पी-2 और पी-3 यानी मतदान कराने वाले कर्मचारियों के लिए यह अंतिम प्रशिक्षण है। इसके बाद उन्हें प्रशिक्षण नहीं मिलेगा। इसलिए उन्हें चुनाव आयोग की पुस्तिका भी दी जाएगी। वहीं पीओ यानी पीठासीन अधिकारी और पी-1 यानी मतदान अधिकारी को एक बार फिर 13 और 14 नवंबर को अंतिम प्रशिक्षण दिया जाएगा।

झूठे वादों का दूसरा नाम है कांग्रेस : खत्री

बैरसिया, देशबन्धु। कांग्रेस पार्टी सिर्फ झूठ के सहारे चलती है। परिवारवाद से चलती है। पिछले चुनाव में जनता को झूठे घोषणा पत्र के सपने दिखा दिए और जब उनकी सरकार आई तो उनके द्वारा किसानों का कर्जा माफ नहीं किया गया। झूठें वादों का दूसरा नाम कांग्रेस है। यह बात भाजपा प्रत्याशी विष्णु खत्री ने जनसंपर्क के दौरान कहीं।भाजपा प्रत्याशी विष्णु खत्री में नरेला, भैंसोंदा, गरेठिया, सागोनी, देवलखेड़ा, सलोई, निदानपुर, पथरिया, गोंडिपुरा, चांदा सलोई, शाहपुर, चाटाहेड़ी, गांगाहेड़ी, ढेकपुर एवं बरखेडा मौजी में जनसपंर्क किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा गरीबों के हित के लिए संचालित संबल योजना को तक कांग्रेस सरकार ने बंद कर दिया था। उन्होंने कहा कि हमारा पिछला घोषणा पत्र उठाकर देख लीजिए, जो वादे हमारी पार्टी ने किए थे। वह हमने पूरे किए है। इसके अलावा हमने अभी भी बैरसिया विधानसभा के लिए जो 21 सूत्रीय कार्य योजना बनाई है, उन्हें पूरा करने के लिए हम संकल्पित है। उन्होंने कहा कि हम चाटाहेड़ी में नया विद्युत सब स्टेशन बनबा रहे है। इससे आसपास के एक दर्जन से अधिक गांवों में बिजली के वोल्टेज की समास्या समाप्त हो जाएगी।

राष्ट्रीय खेल: मप्र ने कैनो और तीरंदाजी में जीते पदक

भोपाल, देशबन्धु। 37वें राष्ट्रीय खेलों में मप्र का शानदार प्रदर्शन जारी है। इसी कड़ी में सोमवार को मप्र ने कयाकिंग एवं कैनोइंग और तीरंदाजी में पदक जीते। इसके साथ ही मप्र ने अब तक 24 स्वर्ण, 34 रजत व 32 कांस्य सहित कुल 90 पदक जीत लिए है और पदक तालिका में अभी भी छठवें स्थान पर काबिज है। वहीं आज बाक्सिंग के चार खिलाड़ियों ने सेमीफाइनल में पहुंच कर पदक पक्के कर लिए है।

गोवा के मापुसा स्थिति चपोरा नदी में आयोजित कयाकिंग एंव कैनोइंग में मप्र ने दो पदक जीते। महिलाओं के के-1 स्पर्धा में मनस्वनी ने 500 मीटर इवेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता, 500 मीटर स्पर्धा में भी मप्र की महिला जोड़ी कावेरी डीमर और शिवानी वर्मा ने स्वर्ण पदक जीतकर पदक तालिका में मप्र की स्थित मजबूत करने में अहम योगदान दिया। वहींपोण्डा स्थित गोवा इंजीनियरिंग कालेज फर्मागुडी में तीरंदाजी की स्पर्धा आयोजित हो रही है। इसमें मप्र की सृष्टि सिंह और चिराग विद्यार्थी की जोडी ने स्वर्ण पदक जीता। इन्होंने यह सफलता कम्पाउंड मिक्स टीम इवेंट में प्राप्त की। मप्र के लिए तीनों पदक मप्र अकादमी के खिलाड़ियों ने अर्जित किए है। उधर पेडम मल्टीपरपस इंडोर स्टेडियम मापुसा में बॉक्सिंग खिलाड़ी मलिका मोर, दिव्या पवार, श्रुति यादव व अमन विष्ट ने सेमीफाइनल में पहुंचकर मप्र के लिए पदक पक्के किए। मलिका मोर ने महिलाओं के 48-50 किग्रा.भारवर्ग स्पर्धा के प्रथम चक्र में सिक्किम की खिलाड़ी को हराया, दिव्या पवार ने महिलाओं के 52-54 किग्रा भारवर्ग स्पर्धा में राजस्थान की खिलाड़ी को 4-3 से पराजित किया, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी श्रुति यादव ने महिलाओं के 63-66 किग्रा. भारवर्ग में उत्तरप्रदेश की खिलाड़ी को परास्त किया। वही पुरूष वर्ग में अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी अमन सिंह बिष्ट ने 92 किग्रा. भारवर्ग के प्रथम चक्र में उत्तराखंड के खिलाड़ी को हराकर सेमीफायनल में प्रवेश किया।

भोपाल, मंगलवार 7 नवम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. माया‌राम सुरजन

लगेगी आग तो आयेंगे घर कई जद में

पिछले साल राहुल गांधी ने लंदन में जब कहा कि भाजपा ने पूरे देश में नफ़रत का केरोसिन छिड़क दिया है, तो भाजपा के प्रवक्ता ने तत्काल 1984 के सिख विरोधी दंगों का हवाला देते हुए कांग्रेस को ही घासलेट डालने वाली पार्टी बताने की कोशिश की थी। लेकिन अब अपने ही एक नेता के नफ़रत भरे बयान की आंच में भाजपा खुद झुलसती नज़र आ रही है। दरअसल राजस्थान के तिजारा विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे बाबा बालकनाथ के समर्थन में आयोजित एक जनसभा में पार्टी के नेता संदीप दायमा- जो खुद पिछले चुनाव में इसी क्षेत्र से प्रत्याशी थे, ने कहा, कि 'कुछ लोग हमें धर्म और जाति के नाम पर बांटना चाहते हैं, हमें बहुत समझदार होने की ज़रूरत है। जिस तरह से मस्जिद और गुरुद्वारे बनाए गए और छोड़ दिए गए, वे आगे चलकर नासूर बन जाएंगे। इसलिए हमारा धर्म है कि नासूर को यहां से उखाड़ फेंकना चाहिए। अलवर के सांसद बाबा बालकनाथ अब इस काम को पूरा करेंगे'।

इस बयान पर हंगामा तो होना ही था। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने तो अपना रोष जताया ही, शिरोमणि अकाली दल ने भी भाजपा का विरोध किया। और तो और, भाजपा के पंजाब प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने संदीप के खिलाफ़ कार्रवाई की मांग कर दी। हालांकि दायमा ने इस बीच अपने बयान पर माफी मांगते हुए एक वीडियो जारी किया और सफ़ाई दी कि वे अपने भाषण में दरअसल मस्जिद-मदरसे का ज़िक्र करना चाहते थे, लेकिन उनके मुंह से मदरसे की जगह गुरुद्वारे निकल गया। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मुझसे यह ग़लती कैसे हो गई। मैं उन सिखों का अपमान करने के बारे में सोच भी नहीं सकता, जो हमेशा हमारे सनातन धर्म की रक्षा करने के लिए जाने जाते हैं।' दूसरी तरफ बाबा बालकनाथ ने पत्रकारों से कहा कि 'दायमा से पाप हो गया है, लेकिन उम्मीद है कि सिख समुदाय उसे माफ़ कर देगा'।

दायमा ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी को भी माफ़ी मांगते हुए चिट्ठी लिखी लेकिन सिख समुदाय न तो दायमा के वीडियो से, न ही उनकी चिट्ठी से संतुष्ट है। अलवर ही नहीं, राजस्थान के दूसरे शहरों और पंजाब में भी वह अपना आक्रोश जताने सड़कों पर उतर आया। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी ने दायमा के भाषण पर नाराजगी ज़ाहिर करते हुए कैथल जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भेजा। एक वीडियो में जिला प्रशासन (शायद कोटा) के अफसरों को सिख समुदाय के नेता चुनाव आयोग के नाम ज्ञापन देते और सवाल पूछते दिखाई दे रहे हैं कि कि 'देश में चुनाव आयोग नाम की कोई चीज़ है या नहीं? अगर है तो महसूस क्यों नहीं हो रहा? एक आदमी मंच से मस्जिदों-गुरुद्वारों को नासूर बता रहा है तो चुनाव आयोग क्या कर रहा है'? सिख नेता आगे कहते हैं कि 'नासूर तो दरअसल भाजपा और दायमा जैसे फ़िरकापरस्त लोग हैं'।

हालांकि चुनाव आयोग ने दायमा को नोटिस जारी कर दिया है और भाजपा ने भी उन्हें निष्कासित कर दिया है। लेकिन सवाल ये है कि दायमा ने अगर गुरुद्वारे की जगह मदरसे ही कहा होता तो क्या आयोग और भाजपा उनके खिलाफ कोई कार्रवाई करते? ध्यान रहे, नफ़रत की ये भाषा केवल सिखों, मुसलमानों या ईसाईयों के लिये नहीं बोली जा रही है, आम तौर पर भाजपा को समर्थन देने वाला जैन समाज भी इसकी चपेट में आ गया है। बाबा बालकनाथ एक हिन्दू पुजारी हैं और भाजपा के सांसद हैं, तो भाजपा के ही सांसद रहे महेश गिरी अब जूनागढ़ के पीठाधीश्वर और गुरु दत्तात्रेय ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं। उन्होंने गिरनार तीर्थ में दिगंबर जैन संतों के आने पर उनके साथ हिंसा की बात कही, जिस पर जैन समाज ने अपना आक्रोश दिखाया तो महेश गिरी ने कहा कि उन्होंने नागा साधुओं के लिए वह बात कही थी, जैन संतों के लिए नहीं। दरअसल, गिरनार को भगवान नेमिनाथ की निर्वाण स्थली माना जाता है, लेकिन गिरी के मुताबिक वह भगवान दत्तात्रेय का स्थान है और जैनियों का वहां कोई अधिकार नहीं बनता।

कहना न होगा कि सिख समुदाय की तरह जैन समाज भी उद्वेलित है। सिख समुदाय ने अगर इस बात पर ऐतराज़ किया है कि दायमा के भाषण पर योगी आदित्यनाथ ताली बजा रहे थे तो गिरी के बारे में जैन समाज पूछ रहा है कि ऐसे आदमी को सांसद क्यों बनाया गया था। उसका कहना है कि 2013 में भी महेश गिरी की शह पर मुनि प्रबल सागर महाराज पर कातिलाना हमला किया गया था, जिसके विरोध में देशव्यापी आंदोलन हुआ था। लेकिन गिरी पर कोई कार्रवाई करने के बजाय भाजपा ने उन्हें पूर्वी दिल्ली से लोकसभा का टिकट दे दिया। अब एक बार फिर जैन समाज पूरे देश में आंदोलन के रास्ते पर है। अभी उसने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजे हैं और कहा है कि महेश गिरी पर कार्रवाई नहीं हुई तो दिगंबर जैन मुनि और आर्यिकाएं दिवाली नहीं मनाएंगे, बल्कि उस दिन वे अन्न-जल भी ग्रहण नहीं करेंगे। यह दिवाली जैन समाज के लिए काली दिवाली होगी।

दायमा का पार्टी से निष्कासन शायद एक तात्कालिक समाधान हो, लेकिन गिरनार मामले में सरकार क्या कोई कदम उठाएगी- खास तौर से तब जब उसके गृह मंत्री स्वयं जैन समाज से ताल्लुक रखते हैं और उसी गुजरात से आते हैं जहां यह बवाल खड़ा हुआ है और उसकी जड़ में भगवा बिरादरी का ही एक सदस्य है। इससे भी बड़ा सवाल ये है कि लगभग एक ही समय में घटे इन दो प्रसंगों से क्या भाजपा कोई सबक लेगी!

एक बार फिर राहत इन्दौरी का शेर याद आता है -

'लगेगी आग तो आयेंगे घर कई जद में
यहां पे सिर्फ हमारा मकान थोड़ी है...'

जाति गणना: संघ-भाजपा की दुरंगी नीति

जाति गणना के मुद्दे पर, जो उत्तरी भारत में खासतौर पर तेजी से जोर पकड़ रहा है, भाजपा की दशा सांप-छंछूदर वाली हो गयी है। उससे न उगलते बन रहा है और न निगलते। छत्तीसगढ़, राजस्थान तथा मध्य प्रदेश में चुनाव के मौजूदा चक्र में, भाजपा का मुख्य मुकाबला कांग्रेस से है, जो जाति गणना का मुद्दा जोर-शोर से उठा रही है। विडंबनापूर्ण है कि इसके लिए पेश किया जा रहे मुख्य तर्क को जिस एक आसान से नारे में सूत्रबद्ध किया जा रहा है, वह पचास-साठ के दशकों में कांग्रेस के मुखर विरोधी रहे, समाजवादी नेता राम मनोहर लोहिया ने दिया था—जिसकी जितनी गिनती भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी! इस सरल से सिद्धांत को झुठलाने की बदहवास कोशिश में संघ-भाजपा के शीर्ष नेता ऐसी परस्पर विरोधी बातें कह रहे हैं, जो उनके विश्वसनीयता को ही गिराने का काम कर रही हैं।

चुनाव के मौजूदा चक्र की तारीखों के एलान से भी पहले से, खासतौर पर छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश में अपनी चुनावी सभाओं में, खुद प्रधानमंत्री मोदी को जाति-गणना की मांग के खिलाफ दो आम दलीलें देते हुए देखा गया है, जो आपस में जुड़ती भी हैं। पहली दलील तो यही है कि जाति की गणना, बांटने का काम करेगी। समझना मुश्किल नहीं है कि संघ परिवार के नेता जब "बांटने-बंटने" की चिंता जताते हैं, तो उनका आशय किस विभाजन से होता है! जाहिर है कि जाति गणना से उनकी शिकायत यही है कि इससे "हिंदू" बंट जाएंगे। लेकिन, जाति की सचाई के आधार पर हिंदू कहे जाने वाले तो, पहले ही बंटे हुए हैं।

दूसरों यानी गैर-हिंदू कहलाने वालों से नफरत के सहारे, हिंदू कहे जाने वालों के जाति के आधार पर बंटे होने की सचाई पर ऊपर-ऊपर से पर्दा डालकर, इस विभाजन को छुपाने की संघ-भाजपा तथा उनके सगोत्रों की कोशिशों के बावजूद, जातिगत दर्जे की सच्चाई भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्यत: जन-जीवन को इतना ज्यादा नियंत्रित करती है कि उसे नकारना किसी भी तरह संभव नहीं है। वास्तव में इस सच्चाई को नकारना, ऊंच-नीच पर आधारित, विशेषाधिकारों-निषेधों की इस व्यवस्था को और पुख्ता करने का ही काम करता है। जाहिर है कि जाति की सचाई का इस तरह नकारा जाना, इस विभाजन में विशेषाधिकार की स्थिति-प्राप्त ऊंची जातियों के ही हित में जाता है क्योंकि यह उनके विशेषाधिकारों को ही अदृश्य कर, अजर-अमर बनाने की व्यवस्था करता है। और संघ-भाजपा तथा उनके भाई-बंद, विचारधारात्मक रूप से इसी सवर्ण-विशेषाधिकारवादी या ब्राह्मणवादी व्यवस्था के पोषक हैं।

जाति गणना के जरिए, इस विभाजन के विभिन्न घटकों के अनुपात की सचाई के सामने आने में, प्रधानमंत्री मोदी समेत उनके संघ परिवार को हिंदुओं का "विभाजन" ही अगर दिखाई देता है तो इसीलिए कि यह गणना, जाति-विभाजन पर आधारित मौजूदा संतुलन को अस्थिर कर सकती है; उसमें बदलाव की प्रक्रियाओं को आगे बढ़ा सकती है। इसीलिए, एक राजनीतिक पार्टी के रूप में भाजपा और उसके द्वारा नियंत्रित सरकार, हमेशा से हर दस साल पर होने वाली जनगणना में, जाति-जनगणना का पहलू शामिल किए जाने का विरोध करती आयी है। पिछली सदी के आखिरी दशक के आरंभ से उठी पिछड़ा वर्ग के आंदोलन की जबर्दस्त लहर में इस तबके के लिए एक हद तक शिक्षा व रोजगार में आरक्षण की व्यवस्था अपनाए जाने के बावजूद, इन आरक्षणों के आधार के रूप में जाति गणना का उसका विरोध बना ही रहा है। यहां तक कि पिछले दशक के पूर्वार्द्ध में, वर्तमान मोदी सरकार के आने से पहले राज्यों के आधार पर, सामाजिक-आर्थिक दर्जे की जो गणना की भी गयी थी, उसे भी तरह-तरह के बहानों से दफ्न ही कर दिया गया।

राजेन्द्र शर्मा

जाति गणना की मांग के इस बढ़ते दबाव का मुकाबला करने के लिए ही प्रधानमंत्री मोदी "जाति के आधार पर बांटने की साजिश" का झूठा हौवा खड़ा करने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन, खुले आम "हिंदुओं के बंटने" की शिकायत, चुनाव के लिए सांप्रदायिक दुहाई का सहारा लिए जाने की श्रेणी में आ सकती थी या कम से कम ऐसी आलोचनाएं तो आकर्षित कर ही सकती थी। इसलिए, प्रधानमंत्री ने बड़ी चतुराई से बांटने की शिकायत को तो ज्यों का त्यों रखा, बस "हिंदुओं" की जगह, "गरीबों" कर दिया! इस तिकड़म से जाति सर्वे को, जिसमें गरीबों-वंचितों का ही सबसे ज्यादा हित है, गरीबों को बांटने का षडयंत्र बना दिया गया!

इसी पृष्ठभूमि में लंबे संघर्ष के बाद बिहार में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार ने 2022 के जून के आरंभ में जातिगत सर्वे कराने की अधिसूचना जारी की थी। खास बात यह थी कि बिहार की विशेष परिस्थितियों में और आम तौर पर पिछड़े वर्ग के बढ़ते दबाव में तथा गठबंधन सरकार की मजबूरियों के चलते, अनिच्छापूर्वक ही सही भाजपा भी जाति सर्वे को अपना समर्थन देने के लिए तैयार हो गयी। इस तरह एक विसंगतिपूर्ण स्थिति पैदा हो गयी, जहां भाजपा बिहार के स्तर पर कम से कम औपचारिक रूप से जाति गणना का समर्थन कर रही थी, जबकि देश के स्तर पर भाजपा और उसकी केंद्र सरकार, जनगणना में जाति-गणना का पहलू शामिल किए जाने का कड़ा विरोध कर रही थीं। यहां तक कि अब से मुश्किल से दो महीने पहले तक, जब बिहार के जाति सर्वे के नतीजों की घोषणा को रुकवाने में हाई कोर्ट के विफल रहने के बाद, सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गयी थी, केंद्र सरकार द्वारा दायर किए गए मूल एफीडेविट में, राज्य के ऐसी कोई गणना करने के अधिकार को चुनौती ही दी गयी थी। लेकिन, हवा का रुख भांपकर केंद्र सरकार ने इस मामले में फौरन पल्टी मारी और एफीडेविट में संशोधन करा के, राज्य के ऐसा सर्वे कराने के अधिकार को मान्यता दे दी।

उसके बाद से बिहार में, आंशिक रूप से इस जाति सर्वे के नतीजे घोषित किए जा चुके हैं। उधर कर्नाटक तथा ओडिशा में भी कोई जाति सर्वे मौजूद होने की खबर है, जबकि आंध्र प्रदेश में भी किसी प्रकार का जाति सर्वे चल रहा बताया जाता है। और विधानसभाई चुनाव के वर्तमान चक्र में कांग्रेस के जाति सर्वे का मुद्दा प्रमुखता से उठाने के बाद, छत्तीसगढ़ व राजस्थान की कांग्रेसी सरकारें, जाति सर्वे कराने के संकल्प की घोषणा कर चुकी हैं जबकि कांग्रेस ने मध्य प्रदेश तथा तेलंगाना में भी जाति सर्वे कराने का एलान किया है।

जाति गणना की मांग के इस बढ़ते दबाव का मुकाबला करने के लिए ही प्रधानमंत्री मोदी "जाति के आधार पर बांटने की साजिश" का झूठा हौवा खड़ा करने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन, खुले आम "हिंदुओं के बंटने" की शिकायत, चुनाव के लिए सांप्रदायिक दुहाई का सहारा लिए जाने की श्रेणी में आ सकती थी या कम से कम ऐसी आलोचनाएं तो आकर्षित कर ही सकती थी। इसलिए, प्रधानमंत्री ने बड़ी चतुराई से बांटने की शिकायत को तो ज्यों का त्यों रखा, बस "हिंदुओं" की जगह, "गरीबों" कर दिया! इस तिकड़म से जाति सर्वे को, जिसमें गरीबों-वंचितों का ही सबसे ज्यादा हित है, गरीबों को बांटने का षडयंत्र बना दिया गया! और इसका उपदेश दिया जाने लगा कि हम तो एक ही जाति जानते हैं—गरीब। गरीब ही सबसे बड़ी जाति है। उसी को बांटने की कोशिश की जा रही है, आदि, आदि।

लेकिन, इससे कोई यह नहीं समझे कि संघ-भाजपा सिर्फ जाति के यथार्थ के ब्राह्मणवादी नकार पर ही अडिग हैं। सत्ता हासिल करने को सर्वोपरि मानने वाले संघ-भाजपा, इतने यथार्थवादी जरूर हैं कि वे जातिगत विभाजन के यथार्थ के दोहन की संभावनाओं को भी, हाथ से नहीं जाने दे सकते हैं। जाति के दो पक्ष हैं। एक आंतरिक यानी जाति विशेष के रूप में पहचान का। दूसरा, जाति व्यवस्था के अंतर्गत यानी इस व्यवस्था के दूसरे घटकों के बरक्स हैसियत या दर्जे का। इस जातिगत पहचान की राजनीति, सामाजिक यथास्थिति को जरा भी अस्थिर नहीं करती है और इसीलिए, इसको साधने में संघ-भाजपा ने खूब महारत हासिल कर ली है। इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि नरेंद्र मोदी एक ही सांस में 'एक ही जाति—गरीब, ही मानने' का भी दावा करते हैं और उसी सांस में इसका झूठा रोना भी रोते हैं कि 'मैं क्योंकि ओबीसी हूं, इसलिए विरोधी मुझे गालियां देते हैं!' अगर एक ओबीसी को प्रधानमंत्री होकर भी गालियां खानी पड़ती हैं, तब तो और भी जरूरी है कि जाति गणना कराकर, जातियों की वास्तविक स्थिति सामने लायी जाए, ताकि ठोस आधार पर उनके हालात में बदलाव के लिए कदम उठाए जा सकें!

लेकिन, मोदी सरकार को जनगणना में जाति का पहलू शामिल करना मंजूर नहीं है। पिछली सदी के तीस के दशक की जनगणना में आखिरी बार, जाति गणना को शामिल किया गया था। यानी अनुसूचित जातियों व जनजातियों को छोड़ दें तो, जातिगत गिनती और अनुपात के हमारे आंकड़े, सौ साल से भी ज्यादा पुराने हैं। इसके बावजूद, 2021 की देरी से होने वाली जनगणना में, वर्तमान सरकार के इस पहलू को शामिल करने के अब तक कोई संकेत नहीं हैं। इन हालात में बढ़ती संख्या में राज्यों में जाति गणना की मांग उठ रही है। मौजूदा कानून के अनुसार, जनगणना चूंकि केंद्र के ही अधिकार क्षेत्र में आती है, राज्य सरकारें जाति सर्वे या ऐसे ही दूसरे नामों से ही, इस तरह की गणना करा सकती हैं। बिहार के उदाहरण से स्पष्ट है कि राज्यों के स्तर पर जाति-गणना न सिर्फ संभव है बल्कि कई कामों के लिए जरूरी भी हो सकती है। फिर भी, राज्य स्तर पर ऐसी गणना की अपनी गंभीर सीमाएं हैं। प्रामाणिक जाति गणना, जनगणना के हिस्से के तौर पर ही हो सकती है और उसी से विभिन्न सामाजिक संस्तरों की वास्तविक सामाजिक-आर्थिक स्थिति की, अपेक्षाकृत पूरी तथा तुलनात्मक तस्वीर सामने आ सकती है। उम्मीद की जानी चाहिए कि जाति गणना की मांग का बढ़ता हुआ दबाव, खुद अपने राजनीतिक हितों के लिए ही, संघ-भाजपा को भी इसके लिए मजबूर करेगा कि वे अमित शाह की इस तरह की चतुर जुम्लेबाजी से आगे बढ़ें कि 'भाजपा ने तो जाति गणना का कभी विरोध नहीं किया' और अगली जनगणना में जाति-गणना को शामिल किए जाने का रास्ता साफ हो।

(लेखक सामाहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

पाकिस्तानी सेना की चाह- पूर्व पीएम नवाज शरीफ चुनाव लड़ें और जीतें

■ हरिहर स्वरूप

कई वर्षों के निर्वासन के बाद नवाज शरीफ की पाकिस्तान वापसी का जश्न तभी राजनीतिक जीत में बदलेगा, जब देश का सैन्य प्रतिष्ठान, जिसने छह साल पहले उन्हें राजनीति से बाहर कर दिया था और अब उनके हालिया विद्रोह में मदद की, अपने व्यवहार में बुनियादी तौर पर बदलाव करेगा। अब तक, ऐसा लगता है कि प्रतिष्ठान शरीफ को इमरान खान के उदार लोकलुभावनवाद के एक जरूरी विकल्प के रूप में देखता है।

शरीफ की वापसी से चुनाव कराना आसान हो जायेगा जिसमें वह जीत सकते हैं। लेकिन इतिहास इस बारे में आशावाद का कारण नहीं देता है कि निर्वाचित होने पर वह अपना कार्यकाल पूरा करने में सक्षम होंगे और नीति निर्माण में उन्हें खुली छूट होगी। वह पहले भी तीन बार प्रधानमंत्री चुने जा चुके हैं, लेकिन हर बार उन्हें अपना कार्यकाल पूरा किये बिना ही पद से हटा दिया गया। 1993 में राष्ट्रपति के एक आदेश द्वारा उन्हें पद से हटा दिया गया। 1999 में एक सैन्य तख्तापलट द्वारा उन्हें अपदस्थ कर दिया गया। फिर 2017 में, उन्हें न्यायिक आदेश द्वारा प्रधानमंत्री बनने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

शरीफ और उनसे पहले बेनजीर भुट्टो के विपरीत, इमरान खान संविधान के तहत नागरिक सर्वोच्चता को लेकर सेना के साथ टकराव करने वाले राजनेता नहीं थे। वह यह साबित करने की कोशिश कर रहे थे कि उनका वर्चस्व पाकिस्तान के सैन्य नेताओं के लिए सार्वजनिक अनुमोदन से अधिक था और वह स्थायी राज्य तंत्र से अधिक मजबूत थे। सेना ने कड़ी कार्रवाई के साथ जवाब दिया, जिसे अधिकांश राजनीतिक अभिजात वर्ग का समर्थन प्राप्त था।

उन्होंने पिछले तीन वर्षों में, विशेष रूप से सेना के प्रमुख भर्ती क्षेत्र पंजाब में, एक मजबूत समर्थन आधार बनाये रखा। लेकिन उनकी एक के बाद एक सेना प्रमुखों के साथ आमने-सामने की बातचीत नहीं हुई है, जिनमें से कई को शरीफ ने नियुक्त किया था। विवाद का सामान्य मुद्दा सुरक्षा और विदेश नीतियों और सैन्य नेताओं के नीतियों को निर्धारित करने के अधिकार पर मतभेद रहा है। अब सवाल यह है कि क्या शरीफ का चौथा कार्यकाल पाकिस्तान के सैन्य नेताओं के साथ घातक विवाद के साथ समाप्त होगा।

जुलाई 2018 के चुनावों की पूर्व संध्या पर, जिसने इमरान खान को कार्यालय में लाया, निकट भविष्य में शरीफ की वापसी की भविष्यवाणी की गई थी... 'भले ही सेना वोट डाले जाने के बाद एक चयनित प्रधानमंत्री को कार्यालय में स्थापित करने में सफल हो जाती है, यह एक विश्वसनीय, प्रभावी, नागरिक मुखौटा बनाने के अपने मूल उद्देश्य में सफल नहीं होगा। शरीफ की कैद से उनके पतन की साजिश रचने वाले जनरलों और कर्नलों की सेवानिवृत्ति के बाद लंबे समय तक उनका (या उनकी बेटी का) राजनीतिक कॅरियर खत्म नहीं होगा।

वास्तव में यही है जो हुआ। जनरलों की पसंद, इमरान खान, सर्वशक्तिमान प्रतिष्ठान के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गये, जितना कि कोई भी अन्य राजनेता कभी नहीं रहा होगा। पद से हटाये जाने के बाद, पूर्व क्रिकेटर ने उग्र प्रदर्शन किया जिससे पाकिस्तान के बाहरी संबंधों के साथ-साथ घरेलू व्यवस्था को भी खतरा पैदा हो गया। उनकी गिरफ्तारी से क्रोधित होकर, खान के प्रशंसकों ने सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला कर दिया - ऐसा कुछ जो पाकिस्तानी राज्य के घोषित दुश्मनों ने भी नहीं किया था।

शरीफ और उनसे पहले बेनजीर भुट्टो के विपरीत, इमरान खान संविधान के तहत नागरिक सर्वोच्चता को लेकर सेना के साथ टकराव करने वाले राजनेता नहीं थे। वह यह साबित करने की कोशिश कर रहे थे कि उनका वर्चस्व पाकिस्तान के सैन्य नेताओं के लिए सार्वजनिक अनुमोदन से अधिक था और वह स्थायी राज्य तंत्र से अधिक मजबूत थे। सेना ने कड़ी कार्रवाई के साथ जवाब दिया, जिसे अधिकांश राजनीतिक अभिजात वर्ग का समर्थन प्राप्त था, लेकिन सैन्य शासन लागू करने की उसकी अनिच्छा को देखते हुए, उसे एक लोकप्रिय राजनीतिक विकल्प की भी आवश्यकता थी।

शरीफ की वापसी, और उनके खिलाफ आपराधिक आरोपों और मामलों को तेजी से पलटना, चुनाव कराने की प्रतिष्ठान की इच्छा का परिणाम है जिसमें खान नहीं जीते। प्रतिष्ठान के दृष्टिकोण से, चुनाव जीतने और शासन दोनों में शरीफ के अनुभव को देखते हुए, आत्ममुग्ध क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान की तुलना में शरीफ अधिक सुरक्षित हाथ होंगे। लेकिन शरीफ को एक और कार्यकाल देने की सत्ता प्रतिष्ठान की इच्छा कुछ कठिन जमीनी हकीकतों का प्रतिबिंब है।

जिस समय शरीफ को निर्वासन के लिए मजबूर किया गया था, पाकिस्तानी पंजाब शरीफ के सत्ता-विरोधी अनुयायियों के बीच विभाजित था, जो मानते थे कि लोकतंत्र को सुरक्षित करने के लिए सत्ता से लड़ना भ्रष्टाचार से लड़ने से ज्यादा महत्वपूर्ण था, और इमरान खान के सत्ता-समर्थक समर्थकों ने वही दोहराया जो प्रत्येक पाकिस्तानी तख्तापलट करने वाले का मंत्र था: पाकिस्तान के राजनेता आम तौर पर भ्रष्ट होते हैं, लोकतंत्र के कार्यशील होने से पहले भ्रष्टाचार को समाप्त किया जाना चाहिए, और राजनेताओं को उनके स्थान पर रखने के लिए जनरलों और न्यायाधीशों की अपनी प्राथमिकताएं होती हैं।

पावन प्रसंग

बड़ी सफलता नियमित प्रयास की परिणति

बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताएं और आकांक्षाएं होती हैं। सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ सामाजिकता, प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं। मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए। यदि व्यक्ति की आकांक्षा, सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय आविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है।

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है। भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है। ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत, ज्ञानेश्वर, तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था। परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होने का प्रयास करना चाहिए ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थायी एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थायी सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है। आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थायी सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थायी एवं पानी के बुलबुले की तरह है और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है।

संजीव ठाकुर

आपके पत्र

शिक्षकों की कमी शिक्षा में बेहतर बदलाव के लिए बाधक

शिक्षा के जरिए ही प्रत्येक व्यक्ति के जीवन से अज्ञानता, अंधविश्वास एवं रूढ़िवादी सोच दूर होती है। व्यक्ति में वैज्ञानिक सोच और भौतिक-अभौतिक, विज्ञान आदि का सम्यक ज्ञान से जीवन खुशहाल होता है। शिक्षित व्यक्ति ही अच्छाई और बुराई में फर्क समझ सकता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था कि शिक्षा का सर्वप्रथम उद्देश्य है व्यक्ति का चरित्र निर्माण, सजग नागरिक बनाना एवं सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा करना है। पूरे देश में शिक्षा में सुधार के लिए अलग-अलग राज्यों की सरकारें काम कर रही हैं। बुनियादी संरचना जैसे-भवन निर्माण, स्मार्ट क्लास, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल का मैदान आदि की व्यवस्था दुरुस्त करने में सरकारी मशीनरी लगी रहती है। वहीं छात्रों के सर्वांगीण विकास व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रयास तो हो रहे हैं लेकिन धरातल पर कम दिख रहा है।

प्रयोगशाला व पुस्तकालय नहीं रहने की वजह से छात्रों को समुचित ज्ञान नहीं मिल पा रहा है। दूसरी ओर शिक्षकों की कमी की वजह से विषयवार कक्षाएं संचालित नहीं हो पा रही हैं। इस संबंध में, पारू प्रखंड के अंतर्गत उच्च माध्यमिक विद्यालय चांदकेवारी के प्रधानाध्यापक जयराम साह बताते हैं कि विद्यालय में क्लासरूम की कमी नहीं है। लेकिन फिर भी इंटरमीडिएट की पढ़ाई को सुचारू ढंग से चलाना मुश्किल है क्योंकि यहां उच्चतर माध्यमिक के एक भी विषय के शिक्षक नियुक्त नहीं हैं। ऐसे में बच्चों का अनुपस्थित होना लाजिम है। यहां कुल नामांकित 799 बच्चों का भविष्य 14 शिक्षकों के भरोसे है। वहीं जिले के साहेबगंज प्रखण्ड स्थित हुस्सेपुर दोबंधा में संचालित मध्य विद्यालय एवं माध्यमिक विद्यालय में केवल कक्षा 1 से 5 तक के ही शिक्षक हैं। दूसरी ओर विद्यालय को अपग्रेड करते हुए 11-12वीं के लिए कोड आबंटित किया जा चुका है। विद्यालय में 337 छात्र-छात्राओं का नामांकन है। वर्ग 9-10वीं में 120 छात्रों का नामांकन है। वहीं इंटरमीडिएट में 62 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं लेकिन शिक्षकों के अभाव के कारण पठन-पाठन बिल्कुल ठप हैं। इस स्कूल के एक शिक्षक मनोज कुमार ने बताया कि प्राइमरी शिक्षक के भरोसे उच्चतर माध्यमिक व माध्यमिक छात्रों का भविष्य है। वहीं प्रधानाध्यापक उमाशंकर सिंह बताते हैं कि इस विद्यालय में किसी भी चीज़ की कमी नहीं है, अच्छे भवन हैं, छात्र-छात्राओं के लिए सभी बुनियादी सुविधाएं हैं, केवल शिक्षकों की कमी है। जो सबसे बड़ी बाधा है।

स्कूल की समस्या पर जिला शिक्षा पदाधिकारी सिंह का कहना है कि वर्तमान में बिहार सरकार एवं शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव द्वारा शिक्षा में सुधारात्मक कार्रवाई रंग ला रही है। जिस-जिस विद्यालय में भवन की कमी है, शिक्षकों की कमी है, बच्चों को बैठने के लिए डेस्क-बेंच की कमी है, उसमें विभाग विद्यालयों को राशि आबंटित कर रहा है।

शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मृत्युंजय कहते हैं कि सरकार की यह कवायद मील का पत्थर साबित हो रहा है। जिले के स्कूलों में बच्चों की संख्या अधिक है, तो शिक्षकों की भारी कमी है। शिक्षा विभाग को तत्काल बच्चों के अनुपात में शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित करनी होगी। शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रशिक्षण भी समय-समय पर आवश्यक है।

फूलदेव पटेल, मुजफ्फरपुर बिहार

बेतवा- पार्वती अंचल

सार-समाचार

जनपद सदस्य प्रतिनिधि ने छोड़ी भाजपा, थामा कांग्रेस का हाथ

सिरोंज, देशबन्धु। जनपद सदस्य प्रतिनिधि विनोद शर्मा ने अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस उम्मीदवार गगनेंद्र रघुवंशी के कार्यालय पहुंचकर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण करते हुए भाजपा में उपेक्षा के आरोप भी लगाए। कांग्रेस उम्मीदवार गगनेंद्र रघुवंशी ने इन सभी को भाजपा छोड़कर कांग्रेस में आने पर पार्टी का पटा डालकर कांग्रेस पार्टी की सदस्य ग्रहण कराई साथ ही सभी को बधाई देते हुए कहा कि हमारी पार्टी बिना भेदभाव और सभी के मान सम्मान के लिए प्रतिबद्ध हैं। यहां पर सभी का बराबर सम्मान होगा इस बात का मैं विश्वास दिलाता हूं। किसान नेता सुरेंद्र रघुवंशी ने कहा कि पार्टी हमेशा हर एक-एक व्यक्ति कार्यकर्ता के मान सम्मान देती है।

पिता के लिए पुत्र और पुत्री ने संभाला मैदान, कर रहे जनसंपर्क

सिरोंज, देशबन्धु। विधानसभा चुनाव को लेकर जैसे-जैसे तारीख नजदीक आती जा रही है। चुनाव का प्रचार भी जोर पकड़ता हुआ नजर आ रहा है । कांग्रेस प्रत्याशी गगनेंद्र रघुवंशी के समर्थन में इनके पुत्र और पुत्री ने भी चुनावी समर में उतरकी मैदान संभाल लिया हैं। वह घर-घर पहुंचकर मतदाताओं से वोट मांग रहे हैं। सुबह 9 बजे से ही बेटा और बेटी अलग-अलग क्षेत्र में चुनाव प्रचार करने के लिए निकल जाते। योगेश रघुवंशी, नेहा रघुवंशी ने बताया कि मतदाताओं का जन समर्थन हमें प्राप्त हो रहा है। प्रचार करने से हमें नई ऊर्जा मिल रही है क्योंकि ऐसा कोई व्यक्ति नहीं है जो हमें स्नेह न करता हो। देर रात तक हम लोग अपने घर लौटते हैं। लोगों द्वार स्वागत किया जाता हैं।

युवा कांग्रेस नेताओं ने मुख्य बाजार में किया जनसंपर्क

सिरोंज, देशबन्धु। लिंकरोड स्थित चुनाव कार्यालय से युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष वैभव भारद्वाज के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा मुख्य बाजार में दुकान- दुकान जाकर कांग्रेस प्रत्याशी गगनेन्द्र रघुवंशी के समर्थन जनसंपर्क किया गया।

मतदान के 48 घंटे पहले प्रकाशित विज्ञापनों को कराना होगा प्रमाणित

रायसेन, देशबन्धु। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन-2023 के संदर्भ में मतदान के 48 घंटे पहले प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देश भी जारी किए गए हैं। मध्यप्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए एक ही चरण में 17 नवंबर को मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रिंट मीडिया में मतदान की तिथि व मतदान से पूर्व दिवस पर प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों के पूर्व प्रमाणन के लिए समय सीमा तय कर दी है।

मतदान दलों के द्वितीय प्रशिक्षण का जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया निरीक्षण

पूरी गंभीरता से प्रशिक्षण प्राप्त करें मतदानकर्मी: दुबे

रायसेन, देशबन्धु। मप्र विधानसभा निर्वाचन-2023 के संदर्भ में जिले के चारों विधासभा क्षेत्रों उदयपुरा, भोजपुर, सांची और सिलवानी में निर्धारित स्थलों पर मतदान दलों का द्वितीय प्रशिक्षण 06 नवम्बर को प्रारंभ हुआ। रायसेन स्थित स्वामी विवेकानंद शास.महाविद्यालय रायसेन में आयोजित सांची विधानसभा क्षेत्र के मतदान दलों के द्वितीय प्रशिक्षण का जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अरविंद दुबे ने निरीक्षण किया तथा मतदान दलों को संबोधित किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दुबे ने मतदान दलों को संबोधित करते हुए कहा कि निर्वाचन कार्य में मतदान दल के अधिकारी-कर्मचारी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मतदान सम्पन्न कराने वाले अधिकारी-कर्मचारी पूरी गंभीरता और लगन से प्रशिक्षण प्राप्त करें, जिससे कि बिना किसी व्यवधान के सुगमता से निर्वाचन प्रक्रिया सम्पन्न कराई जा सके। मतदान दलों को सीयू, बीयू, वीवीपैट के बारे में भी पूर्ण जानकारी हो और आपस में कनेक्ट करना भी आना चाहिए। जिससे कि सुव्यवस्थित मतदान सम्पन्न कराने में कोई कठिनाई ना हो।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतदान दलों को मतदान सामग्री प्राप्त करने, मतदान केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था, निर्वाचन विधि लागू करने, मतदाता की पहचान का सत्यापन, अमिट स्याही लगाने, मतदान की गोपनीयता बनाए रखने, प्रपत्रों की पूर्ति, मतपत्र लेखा तैयार करने, टेण्डर वोट, चैलेंज वोट, मतदान उपरांत निर्वाचन सामग्री जमा करने की प्रक्रिया आदि के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया।

चुनाव ड्यूटी में तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों ने किया मतदान

रायसेन, देशबन्धु। मप्र विधानसभा निर्वाचन-2023 के संदर्भ में सांची विधानसभा क्षेत्र के मतदान दलों के द्वितीय प्रशिक्षण स्थल स्वामी विवेकानंद शास.महाविद्यालय रायसेन में निर्वाचन ड्यूटी में संलग्न अधिकारियों, कर्मचारियों के मतदान के लिए बनाए गए फैसिलिटेशन सेंटर का जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अरविंद दुबे द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने फैसिलिटी सेंटर में मतदान प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु बनाए गए काउंटर्स पर पहुंचकर जानकारी लेते हुए मतदान प्रक्रिया का अवलोकन किया। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय रायसेन में बनाए गए फैसिलिटेशन सेंटर की आकर्षक रूप से साज-सज्जा की गई। मतदान करने हेतु आने वाले निर्वाचन ड्यूटी में संलग्न अधिकारियों-कर्मचारियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया।

हमले के आरोपियों को 3-3 वर्ष का सश्रम करवास

- 5-5 हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया

गंज बासौदा, देशबन्धु। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश अशोक भारद्वाज की अदालत ने हमले के चार आरोपियों को 3 -3 वर्ष के सश्रम करवास एवं पांच पांच हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया है।

शासन पक्ष की ओर से पैरवी कर रहे शासकीय लोक अभियोजक सुरेंद्र सिंह राजपूत एडवोकेट ने बताया कि घटना त्योंदा थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम दानमणी की है जहां फरियादी गोविंद सिंह राजपूत को आरोपी गण रामबाबू ,वीरन ,वीर सिंह मीणा, राकेश मीणा आदि ने एक राय होकर कुएं के पास बुलाया और धारदार हथियारों से हमला बोल दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बीच बचाव करने आए उसकी पत्नी सुकून बाई के साथ भी आरोपियों ने मारपीट की, घटना की रिपोर्ट त्योंदा पुलिस थाने में दर्ज करने पर आरोपी गणों के खिलाफ धारा 326, 323, 294 506, 34 आईपीसी के तहत अपराध पंजीबद्ध होकर न्यायालय में पेश किया गया जहां शासकीय लोक अभियोजक के तर्कों और अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साथियों और गवाहों को विश्वसनीय मानते हुए विद्वान न्यायाधीश अशोक भारद्वाज, द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश गंजबासौदा ने रामबाबू,वीरन, वीरसिंह मीणा, राकेश मीणा को तीन-तीन वर्ष के सश्रम कारावास और पांच- पांच हजार रुपए के अर्थ दंड से दंडित किया है।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अतिरिक्त ईवीएम, वीवीपैट का प्रथम सप्लीमेंट्री रेण्डमाइजेशन संपन्न

रायसेन, देशबन्धु। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्री अरविंद दुबे की उपस्थिति में मप्र विधानसभा निर्वाचन-2023 के संदर्भ में अतिरिक्त ईवीएम एवं वीवीपैट की एफएलसी कार्य के उपरांत प्रथम सप्लीमेंट्री रेण्डमाइजेशन की प्रक्रिया सम्पन्न की गई। इस अवसर पर संबंधित अधिकारी और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

6 हजार की रिश्वत लेते जेल प्रहरी रंगे हाथ गिरफ्तार

- उप जेल में बंदी के साथ मारपीट नहीं करने के लिए मांगी थी रिश्वत, दोस्त ने की थी लोकायुक्त से शिकायत

रायसेन, देशबन्धु। जिले के बेगमगंज में लोकायुक्त पुलिस ने सोमवार दोपहर को उप जेल के प्रहरी को 6 हजार की रिश्वत लेते हुए रंग हाथों गिरफ्तार किया। जेल प्रहरी द्वारा रिश्वत कैदी के साथ मारपीट न करने को लेकर ली जा रही थी। जानकारी के अनुसार जगदीश पुत्र सीताराम अहिरवार किसी मामले में उपजेल बेगमगंज में बंद है। उससे मुलाकात करने के लिए जब उसका दोस्त अर्जुन रैकवार आया तो जगदीश ने बताया उसके साथ जरा जरा सी बात पर मारपीट की जाती है और घर से पैसे लेकर आने का बोल रहे हैं। तब अर्जुन ने जेल प्रहरी अमित धाकड़ से बात की जिस पर अमित धाकड़ ने उससे कहा कि मारपीट नहीं होगी 3 महीने के मुझे 6000 लाकर दे दो।

कैदी के दोस्त अर्जुन रैकवार ने भोपाल लोकायुक्त अधीक्षक को इस बात की शिकायत की। लोकायुक्त टीम ने लगातार अमित द्वारा की जा रही बातों को पूरी तरह रिकॉर्ड किया। रिश्वत की मांग सही पाए जाने पर सोमवार को लोकायुक्त पुलिस डीएसपी वीरेंद्र चौहान ने टीम के साथ अर्जुन रैकवार के हाथों 6000 रुपए की रिश्वत देते हुए अमित धाकड़ जेल प्रहरी को रंग हाथों पकड़ लिया।

भाजपा कार्यकर्ता घर-घर पहुंचकर कर रहे सघन जनसंपर्क

सिरोंज, देशबन्धु। जैसे जैसे चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है वैसे वैसे भाजपा कार्यकर्ता सघन जनसंपर्क में जुट गए है। शहरी क्षेत्र में प्रचार की कमान भाजपा के वरिष्ठ एवं युवा नेताओं ने संभाल रखी है तो वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में सेक्टर प्रभारी व ग्रामीण कार्यकर्ता घर घर जाकर जनसंपर्क कर रहे है। सोमवार को भाजपा कार्यकर्ता वार्ड सात, नौ एवं दस में पहुंचे और जनसम्पर्क किया। इस प्रकार अभियान में शामिल वार्ड नौ के पार्षद जयनारायण सेन ने कहा कि भाजपा विचारधारा को लेकर काम करने वाली पार्टी है हमने जनता के विश्वास को जीतने का काम किया है। प्रधामनंत्री आवास और लाड़ली बहना योजनाओं के माध्यम से प्रत्येक परिवार को सीधा लाभ हमारी सरकार ने देकर आम गरीब परिवार के जीवन स्तर को उठाने का काम किया है। इस दौरान भाजपा नेता रमेश यादव हरिबाबू भार्गव, रिंकू सुमन, के साथ नेताओं ने जनसंपर्क किया। इस बार का भाजपा संगठन पूर्व मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा की गैरमौजूदगी में चुनाव लड़ रही है। तीन वर्ष पूर्व उनका निधन हो गया था। ऐसे में अब जीत का दारोमदार भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर है। स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा की बेटियां भी जनसंमपर्क कर रही है।

आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर में 2 सौ से अधिक मरीजों ने कराई जांच

गंजबासौदा, देशबन्धु। हाईस्कूल हरगनाखेडी परिसर में 2 दिवसीय आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 232 मरीजों की जांच कर उन्हें उपचार के साथ आयुर्वेद से जुड़ी जानकारियां भी दी गई। शासकीय विद्यालय के कक्षा 1 से 10 वीं तक के छात्रों छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण के साथ ग्राम के पुरुष-महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण डा.शिवाजी चतुर्वेदी एवं डा. अरविन्द कनोजिया के द्वारा किया गया पुरुष 44 महिला 28 छात्र 65 छात्रा 95-232 की जांच कर सभी को रोग अनुसार आयुर्वेदिक औषधिया नि:शुल्क दी गई।

सभी को स्वास्थ्य शिक्षा दी गई। उचित आहार एवं नियमित दिनचर्या का महत्व समझाया गया। मौसम परिवर्तन के समय बीमारियों से बचने के उपाय बताये गये। प्राचार्य महेन्द्रसिंह राजपूत एवं शिक्षक किरण पाण्डेय ने सहयोग किया।। दो शिवाजी चतुर्वेदी ने शिविर में उपस्थित लोगों को मौसम से संबंधित खान-पान की जानकारियां दी आने वाले सर्दी के सीजन के विषय में किस तरह बाहर व्यवहार करें इसके विषय में भी बताया।

पीले चावल देकर मतदाताओं को किया आमंत्रित, भरवाए गए संकल्प पत्र

रायसेन, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन-2023 में रायसेन जिले में अधिक से अधिक मतदान हो, सभी मतदाताओं की लोकतंत्र के इस महापर्व में भागीदारी हो इसके लिए मतदाताओं को प्रेरित करने हेतु जिले में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरविंद दुबे के निर्देशन में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में जिले के सांची विकासखण्ड के ग्राम पिपलई में ग्रामीणों को मतदान का महत्व बताते हुए 17 नवम्बर को अनिवार्य रूप से मतदान करने की शपथ दिलाई गई। साथ ही संकल्प पत्र भी भरवाए गए। इसी प्रकार सांची विकासखण्ड के ग्राम चिलवाहा में घर-घर जाकर पीले चावल देते हुए मतदाताओं को आगामी 17 नवम्बर को मतदान केन्द्र आकर वोट डालने के लिए प्रेरित किया गया।

नई अदालत के मार्ग पर गिट्टी होने से परेशान वाहन चालक

गंजबासौदा, देशबन्धु। ग्राम रजोदा स्थित नवीन न्यायालय परिसर जाने वाले मार्ग पर पत्थर की गिट्टी पड़ी होने से वाहन चालक परेशान हो रहे हैं। यहां नाली निर्माण के लिए रोड के बीच में जगह-जगह गिट्टी डाली गई है, जो यातायात में बाधक बन रही है। अभिभाषक संघ के उपाध्यक्ष सुनील भावसार ने बताया कि हाल ही में नवीन न्यायालय राजोदा स्थित नए भवन में प्रारंभ हुआ है, लेकिन सिंगल मार्ग होने के कारण अभिभाषा को और न्यायाधीशों को यहां आवागमन में परेशानी हो रही है । वही पक्षकारों के लिए भी 5 किलोमीटर लंबी दूरी परेशानी का कारण बन रही है सड़क खराब होने के कारण यहां बड़े वाहन भी ठीक से नहीं आ पा रहे है। इस पर नाली निर्माण के लिए गिट्टी डाल दी गई है 1 किलोमीटर के दायरे में जगह-जगह गिट्टी के ढेर लगे हुए हैं जिसके चलते कई बार दो पहिया वाहन चालक गिरकर भी घायल हो गए हैं। शिकायत के बाद भी संबंधित निर्माण एजेंसी द्वारा सड़क से गिट्टी नहीं हटाई गई है। नवीन न्यायालय के लिए जाने वाला सिंगल मार्ग अब परेशानियों का कारण बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने की बैठक

- प्रधानमंत्री मोदी 8 को मुरैना आएंगे

मुरैना, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 8 नवम्बर को मुरैना में होने वाले कार्यक्रम में हजारों की संख्या जिले से भाजपा कार्यकर्ता शामिल होंगे। इसको लेकर सोमवार को मुरैना विधानसभा कार्यालय पर तैयारी बैठक जिला अध्यक्ष डॉ योगेशपाल गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में भाजपा विधानसभा संयोजक महेश मिश्रा, भाजपा मुरैना प्रत्याशी रघुराज कंषाना, भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष नागेंद्र तिवारी मुख्य रूप में उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ योगेशपाल गुप्ता, भाजपा प्रत्याशी रघुराज कंषाना, महेश मिश्रा एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश गर्ग ने संबोधित किया। बैठक में नेताओं ने कहा कि आप सभी अपनी जिम्मेदारी ईमानदारी पूर्वक निभाएं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने की जिम्मेदारी भारतीय जनता पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता की है। इस दौरान सभी मंडल अध्यक्ष एवं प्रभारियों ने भी अपनी-अपनी सुझाव एवं मांगों को रखा। सभी मंडल अध्यक्षों के सुझावों एवं मांगों को गंभीरता से लेते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि आप सभी का सुझाव पार्टी के लिए महत्वपूर्ण है और आपकी मांगों को भी पूरा किया जाएगा। जिला अध्यक्ष ने सभी को निर्देश दिया कि सभी अपने-अपने क्षेत्र में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आज से ही लग जाए।

भाजपा राज में बनीं सड़कें, स्वास्थ्य सेवाएं हुई बेहतर: तोमर

- केन्द्रीय मंत्री ने दिमनी क्षेत्र में किया रोड-शो

मुरैना, देशबन्धु। 2003 से पहले दिमनी सहित मुरैना जिले और पूरे प्रदेश में सडक, बिजली, पानी की व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त थीं। 18 साल के भाजपा के शासन में दिमनी सहित प्रदेशभर में सडक, बिजली, पानी के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम हुए है। मानपुर में 33 केव्ही विद्युत सब स्टेशन, बड़ागांव से गोहद तक सडक निर्माण, किरायच, हरीक्षा-सांगौली में पुलों का निर्माण भाजपा के शासन में हुआ है।

यह बात, केन्द्रीय मंत्री एवं दिमनी सीट से भाजपा के प्रत्याशी नरेन्द्र सिंह तोमर ने कही। श्री तोमर, सोमवार को जनसंपर्क अभियान के दौरान हुई नुक्कड़ सभाओं में जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय मंत्री श्री तोमर ने सोमवार को जनसंपर्क अभियान का शुभारंभ खडियाहार, गोपी गांव में कोटेश्वरधाम मंदिर पर दर्शन कर और आशीर्वाद लेकर किया। श्री तोमर ने सोमवार को महूरी, सिहौनिया, लल्लूबसई, बाबरीपुरा, रूअरिया, मई, कोलुआ, खरगपुरा, भिड़ौसा, लेपा, सांगोली, मानपुर, इकहरा, बहादुर का पुरा, पुरावसखुर्द, किशोरी का पुरा, गंभीरपुरा, मोहरसिंह का पुरा, रामचरन का पुरा, सिकरोड़ी, खडिया बीहड़ आदि गांवों में जनसंपर्क किया। सोमवार को श्री तोमर जनसंपर्क करने के लिए चुनावी रथ पर सवार होकर निकले थे। जनसंपर्क के दौरान कई जगहों पर नुक्कड़ सभाएं हुईं। सभाओं में मौजूद ग्रामीण मतदाताओं से संवाद करते हुए श्री तोमर ने कहा कि दिमनी-अंबाह क्षेत्र के हजारों नौजवान सेना में शामिल होकर देश की सेवा कर रहे है। धारा-370 हटने के बाद सेना के जवानों को कश्मीर में आतंकी घटनाओं का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

ताप्ती तीरे

सार समाचार

कामधेनु चौक पर बस ने तोड़ा बेरियर, बाइक चालक घायल

मुलताई, देशबन्धु। नगर के मुख्य मार्ग के कामधेनु चौक पर सोमवार शाम 4:30 बजे एक बस जो पुलिस थाने की ओर जा रही थी, के ऊपर रखा लगेज का सामान बेरियर के पाइप में फस गया, जिससे बेरियर और पुलिस के बेरिकेड्स उखड़ कर बाइक पर जा गिरे, जिसमें बैतूल जा रहा बाइक सवार चंद्रभान घायल हो गया और उसकी बाइक भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। बस द्वारा बेरियर तोड़े जाने से दोनों के बीच जमकर बहस होने लगी, मुख्य मार्ग पर हुई इस घटना के कारण कुछ देर ट्रैफिक जाम भी हो गया था।

भाजपा प्रत्याशी ने गुनखेड़ में किया जनसंपर्क

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी हेमंत खण्डेलवाल ने सोमवार को विधानसभा क्षेत्र के गुनखेड़ ग्राम में जनसंपर्क किया। दौरान कुण्डलिकराव माने के आग्रह पर उनके घर में बैठकर चाय पी और वहां मौजूद किसानों से खेती-बाड़ी के संबंध में चर्चा की। इस दौरान आनंदराव चढ़ोकार सहित अन्य ग्रामीण भी मौजूद थे।

गुनखेड़ में ही गोलू वागद्रे के निवास पर उन्होंने कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों के साथ चाय पीकर क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं की जानकारी ली। गुनखेड़ ग्राम में किसानों द्वारा सुखाई जा रही मक्का की उपज देखने पहुंचे खण्डेलवाल ने किसानों से चर्चा कर उत्पादन के बारे में जानकारी ली एवं अधिक उत्पादन लेने के उपाय सुझाए। आठनेर बस स्टेण्ड पर जनसंपर्क के दौरान अन्नपूर्णा चटपटा सेंटर के संचालक नीलेश पडलक के आग्रह पर खण्डेलवाल ने गुमठी के समीप ही बैठकर जलेबी और भाजीबड़े का नाश्ता किया।

मेला ग्राउंड पर लगेगा पटाखा बाजार, नपा ने शुरू की तैयारी

अब तक 49 व्यापारियों ने पटाखा दुकानों के लिए जमा किए आवेदन, लॉटरी सिस्टम से किया जाएगा प्लॉटों का आवंटन

मुलताई, देशबन्धु। दीपावली का पर्व पास आते ही पटाखों की मांग लगातार बढ़ने लगी है। प्रतिवर्ष अनुसार नगर पालिका द्वारा मेला ग्राउंड पर पटाखा बाजार लगाए जाने के लिए उच्च अधिकारियों के निर्देशन में व्यवस्थाएं शुरू कर दी गई है।

पटाखा बाजार लगाने के लिए नगर पालिका द्वारा योगेश अणेराव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। पटाखा बाजार के व्यवस्था प्रभारी रतनलाल भलावी ने बताया कि पिछले वर्ष पटाखा बाजार में 37 व्यापारियों ने दुकानें लगाई थी। इस बार शनिवार 4 अक्टूबर को लेआउट डालकर मेला ग्राउंड पर कुल 54 प्लॉट काटे गए थे। जिनमें से सोमवार शाम तक उन 49 व्यापारियों द्वारा पटाखा दुकानों के लिए आवेदन जमा किए गए हैं। लॉटरी सिस्टम से प्लॉटों का आवंटन किया जाएगा। पटखा बाजार स्थल पर नगर पालिका द्वारा बिजली, पानी और सुरक्षा के इंतजाम भी किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 15-15 के 54 प्लॉट काटे गए थे, जिनके बीच 8 फुट का गैप रखा गया है, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचा जा सके। उच्च अधिकारियों के निर्देश प्राप्त होते ही प्लॉटों का आवंटन कर दिया जाएगा। सोमवार नगर पालिका की टीम ने मेला ग्राउंड पर पहुंचकर ग्राउंड की सफाई व्यवस्था का जायजा लिया।

नगर में जगह-जगह होती है फटाखो की बिक्री: नगर में विभिन्न स्थानों पर छोटी-छोटी दुकान लगाकर कुछ व्यापारी पटाखे बेचते भी नजर आते हैं, जिसके चलते मुख्य मार्केट में कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। इस बार अधिकारियों के लिए नगर के मुख्य मार्केट में लगने वाली इन फटाखा दुकानों को पटाखा बाजार तक ले जाना एक चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है।

शिक्षक पर अश्लील सवाल-जवाब के आरोप

छात्राओं ने परिजनों के साथ थाने पहुंचकर की शिकायत

चिचोली, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के अंतर्गत जीन धनोरा गांव के शासकीय माध्यमिक स्कूल के एक शिक्षक द्वारा छात्राओं से अश्लील सवाल जवाब एवं अभद्र व्यवहार करने के मामले में स्कूल की छात्राओं और परिजनों ने चिचोली थाना पहुंचकर शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इस दौरान चाइल्ड फाउडेशन की कार्यकर्ता भी उपस्थित रही। उन्होंने स्कूल छात्राओं से जानकारी लेकर पूरा मामला थाना प्रभारी को अवगत कराया। शिकायतकर्ता जगदीश उचसरे भोजराज अहाके, अजाब राव खोबरे, शकुंतला, कविता उच्चसरे ने बताया कि धनोरा माध्यमिक स्कूल की छठवीं, सातवीं और आठवीं क्लास की छात्राओं के साथ स्कूल के शिक्षक अरविंद बालघरे के द्वारा अश्लील सवाल जवाब करते है इसके अलावा अभद्र व्यवहार करने की शिकायत स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं ने अपने परिजनों से की। इसके बाद हरकत में आए परिजनों ने एकत्रित होकर छात्राओं के साथ चिचोली थाने पहुंचे और शिक्षक पर कार्रवाई की मांग की। छात्राओं ने यह भी बताया कि स्कूल के अध्यापक अरविंद बालघरे के द्वारा स्कूल अध्यनरत छात्राओं के द्वारा माथे पर टीका और हाथ पर कलावा बांधने को लेकर मना किया जाता है । शिकायत के बाद चाइल्ड फाउडेशन कार्डोनेटर चारुलता वर्मा और काउंसलर दीपमाला खतरकर,चारुलता वर्मा ने छात्राओं से चर्चा कर घटना की जानकारी ली। थाना प्रभारी गोपाल घासले ने बताया है कि जीन धनोरा शासकीय माध्यमिक स्कूल के अध्यापक की हरकत की शिकायत आई है शीघ्र जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

चाइल्ड फाउडेशन की कार्यकर्ता

विवाहिता से छेड़छाड़ के आरोपी को 1 वर्ष का कारावास

मुलताई, देशबन्धु। थाना क्षेत्र साईंखेड़ा में मार्ग पर खड़ी एक विवाहिता के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी युवक को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ने दोषी ठहराते हुए एक साल के सश्रम कारावास की सजा और अर्थ दंड से दंडित किया है। प्रकरण में अभियोजन का संचालन करने वाले सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी धर्मेश शर्मा ने बताया विवाहिता ने थाना साईखेड़ा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि बीते 15 फरवरी 2018 को वह अपने पति के साथ साईखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम में आई थी। रात्रि 9 बजे के दरमियान उसके पति के साथ वह ग्राम में स्थित किराना दुकान पर आटा लेने गए थी। उसके पति दुकान पर गए थे। वह दुकान के कुछ दूरी पर अकेली खड़ी थी।इस दौरान सुदामा गावंडे आया और उसे अकेले देखकर सुदामा ने बुरी नियत से उसका हाथ पकड़क छेड़छाड़ की। वह चिल्लाई तो उसका पति , दुकानदार उसके पास आए जिन्हें देखकर सुदामा ने थाने में रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी देकर भाग गया।

फरियादी की रिपोर्ट पर साईंखेड़ा थाना पुलिस ने आरोपी सुदामा पिता भैया गावंडे के खिलाफ धारा 354 ,506 भाग 2 के तहत केस दर्ज विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। न्यायाधीश ने प्रकरण की सुनवाई करते हुए आरोपी सुदामा पिता भैया गावंडे 40 साल को धारा 354 भादवि के तहत दोषी पाते हुए एक वर्ष के सश्रम कारावास और 1000 के अर्थदंड से दंडित किया है।

कमलनाथ सरकार ने 10 माह में ही किए कई काम: पांसे

कांग्रेस प्रत्याशी ने गांवों में की चुनावी सभाएं

मुलताई, देशबन्धु। वर्ष 2018 में प्रदेश की जनता ने कांग्रेस को जन समर्थन देकर कमलनाथ सरकार बनाई थीं। जनता के विश्वास और वोटों से भारतीय संविधान के अनुरूप बनी वोटों की सरकार को भाजपा के सत्ता लोलूप नेताओं ने नोटों के दम पर लोकतंत्र की हत्या की। व्यापम घोटाले करके विद्यार्थियों को आत्महत्या करने पर ओर किसानों के कर्ज माफी की योजना बंद करके किसानों को आत्महत्या करने पर मजबूर कर दिया। यह आरोप कांग्रेस प्रत्याशी विधायक सुखदेव पांसे ने ग्राम चोथिया, कामथ आदि स्थानों पर जनसभाओं में लगाए। उन्होंने कहा कि कमलनाथ सरकार को मात्र 14 माह काम करने को मिले उसमें भी चार माह लोकसभा चुनाव में चले गए बचे 10 माह के कार्यकाल में कई रचनात्मक जनहित के कार्य करवाए गए किसानों का कर्जा माफ हुआ, सामाजिक सुरक्षा पेंशन 300 रुपए से बढ़ाकर 600 रुपए की गई । कमलनाथ के अच्छे कार्य भाजपाइयों से देखे नही गए। बीते 19वर्षो में लाडली बहना प्रदेश में नही दिखी। और जब कामलनाथ ने अपने घोषणा पत्र में नारी सम्मान निधि 1500 रुपए देने प्रदेश की जनता को 500 रुपए में गैस सिलेंडर देने का वचन दिया तो भाजपा की नीद उड़ गई। रक्षा बंधन के पर्व पर आनन फानन 450 रुपए में सिलेंडर देने की घोषणा कर दी पर दिया किसी को नहीं। अब बहने सिलेंडर का कनेक्शन अपने नाम पर कराने को परेशान है। अगले महीने कांग्रेस की सरकार बनते ही किसी को परेशान होने की जरूरत नही पड़ेगी सभी को 500रुपए में सिलेण्डर मिलेगा। उन्होंने कहा कि मात्र एक वर्ष के कार्यकाल में उन्होंने मुलताई विधानसभा से शुद्ध पेयजल की समस्या का निदान कर दीया है। ओर आने वाले 5 वर्षो में खेतो को भी भरपूर सिंचाई का पानी उपलब्ध करवाऊंगा, जो किसान कर्ज माफी योजना से वंचित रह गए है। किसानो का कर्जा माफ किया जाएगा। चुनाव प्रचार के दौरान संजय यादव , किशोर सिंह परिहार, कृष्णा दवंडे , राजेश उइके, पंकज गीदकर, रूपेश विश्वकर्मा, मोहन शिवहरे, बाबूराव पोटफोडे , अधिवक्ता नरेन्द्र बेले, संजय मालवीय आदि मौजूद रहे।

भाजपा सरकार ने वादे पूरे नहीं किए: गुप्ता

बैतूल, देशबन्धु। भाजपा की शिवराज सरकार के 18 वर्ष पूरी तरह से असफल रहे है। प्रदेश के 13 करोड़ नौजवान आबादी को नियोजित करने की कोई कोशिश नहीं की गयी। शिक्षा की उपेक्षा और हजारों स्कूल बंद कर दिए गए। यह आरोप पत्रकारवार्ता में मप्र कांग्रेस समिति के उपाध्यक्ष भूपेन्द्र गुप्ता ने लगाए। गुप्ता ने कहा कि प्रदेश की शिवराज सरकार ने किसानों से कई वायदे किए, लेकिन उन्हें पूरा नहीं किया गया। किसानों की आय दोगुनी करने के नारे लगाए, लेकिन कृषि अर्थव्यवस्था को नहीं सुधार पाए । प्रदेश के नौनिहाल बच्चों में कुपोषण की विकराल समस्या है जो पहले मात्र 2 से 3 जिलों में सीमित थे, अब यह 12 जिलों में फेल गई है। महंगाई और अस्पतालों की चौपट व्यवस्था ने गरीबों का जीना दुभर कर दिया है। प्रदेश में बेरोजगारी की समस्या बढ़ी है, नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है। पत्रकारवार्ता में जिला कांग्रेस शहर के अध्यक्ष सुनील शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष हेमंत वागद्रे, प्रदेश महामंत्री समीर खान, कांग्रेस नेता ब्रजभूषण पांडे भी मौजूद थे।

सपा अध्यक्ष ने तिवारी के पक्ष में जनसभा को किया सम्बोधित किया, कहा-

भाजपा-कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू

नौगांव, देशबन्धु। महराजपुर बिधान सभा के प्रत्याशी अजय दौलत तिवारी के पक्ष में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पहुचे नौगाँव गर्ल्स स्कूल चोराहे पर किया सभा को सम्बोधित इनके पहले दौलत तिवारी ने सभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि नगरपालिका में बनी सरकार में पहले उनका हक था पार्टी ने अध्यक्ष का टिकिट भी उन्ही को दिया था सबसे ज्यादा पार्षद भी काग्रेस पार्टी के थे मगर उनके साथ गद्दारी मिलकर की गई काग्रेस के दुर्योधन ने महाभारत के दुर्योधन की तरह पांडवो के साथ गद्दारी कर डाली जैसे पांडवो ने राज्य के पांच गांव अपने लिए मांगे थे ठीक उसी तरह नगरपालिका अध्यक्ष का पद हमने माँगा था मगर काग्रेस के दुर्योधन ने मिलकर हमे पांडवो की तरह निकाल फेकने की कोशिश की और चारो नगरपालिका और जनपद हरवा दी मेने उसी दिन दृढ़ निश्चय कर लिया था कि इट का बदला पत्थर से देगे इसके बाद टिकिट में भी धोखा हुआ और अंत मे अखलेश यादव जी ने हमे समझते हुए महाराजपुर बिधान सभा का प्रत्याशी बना दिया हमारा काम पूरा हुआ अब इस गद्दारी की सजा जनता को साइकिल का बटन दबाकर देना है।

दौलत तिवारी के बाद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखलेश यादव ने बोलते हुए कहा कि बीजेपी और काग्रेस दोनों ही एक दूसरे के पहलू है और जनता से झूठ बोकलर नाटक करते है आप अपने नगर से ही देखे जहा बीजेपी और काग्रेस की मिली जुली सरकार चल रही है वही मध्य प्रदेश में भी कांग्रेसियों के कारण ही मिलीजुली सरकार है बस यह जनता से झूठ बोलकर गुमराह करते है वही कल दिल्ली में इनके प्रधानमंत्री ने कितना बड़ा झूठ बोला कि देश मे 13 करोड़ लोग गरीबी से ऊपर उठे है कहा उठे यह सरकार 5 किलो राशन देकर गरीबी का तमगा लगाकर लोगो को गरीब बना रहे है अगर इनके शाशन में कोई गरीबी से बाहर आया है तो वह कुछ सेठ है जो बीजेपी के खास है इशारा अडानी अम्बानी की तरफ था बोले यह सरकार सड़क की बात करती है तो सड़के सपा के शाशन में यूपी में हमने बनाई जहा बड़े बड़े हेवी जहाज लड़ाकू विमान उतरते हैं मध्य प्रदेश में लगभग बीस बर्ष से इनकी सरकार है इन्होंने ऐसी सड़के बनाई नही बनी वही बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस बनाया बीजेपी ने जो आपके लिए झूले के हिचकोले से कम नही है मगर इस बार यूपी चुनाव में अपना सब दाव पर लगायेगे और जीत हासिल करेंगे तब आप सपा को समझ पाएंगे वार्डर पर समाजवादी सरकार और महराजपुर से सपा विधायक होगा फिर हम एमपी में भी सरकार सभी के सहयोग से बनायेगे आप को बीजेपी और काग्रेस की झूठी बातों पर ना जाये समाजवादी प्रत्याशी दौलत तिवारी को जिताये फिर हम क्या करते है आने वाले समय मे सब सामने होगा हमे गदारो से सावधान रहना है अपना मत साइकिल पर देकर एक बड़ा रिकार्ड महराजपुर से बनाना है।

सनफ्लावर स्कूल और प्राचार्या को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

हरदा,देशबन्धु। शिक्षण विकास समिति के सनफ्लावर इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्राचार्या वर्षा त्रिपाठी को ग्लोबल ट्रम्प फाउंडेशन द्वारा दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में वर्ष की सर्वेश्रेष्ठ प्राचार्या के सम्मान से नवाजा गया। यह सम्मान राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया गया था जिसमें भारत के प्रत्येक राज्य से पांच सर्वेश्रेष्ठ प्राचार्यों का चयन किया गया था। मध्यप्रदेश से टॉप दस शिक्षण संस्थाओं के चयन में सनफ्लावर इंग्लिश मीडियम हायर सेकेण्डरी स्कूल हरदा को विशिष्ट संस्थान का अवार्ड एवं सर्टिफिकेट मिला। इस अवसर पर शिक्षण विकास समिति के अध्यक्ष रवि शंकर अग्रवाल, उपाध्यक्ष संजय जैन, कोषाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, सचिव सुरेश चन्द्र अग्रवाल, सह-सचिव मनदीप सिंह सलूजा, उप-प्राचार्य राजेश जोशी, सम्पा दत्ता एवं समस्त स्टाफ सदस्यों ने इस उपलब्धि के लिए ढेरों शुभकामनाएं दी । वहीं समिति के सदस्यों ने प्राचार्या का दिल्ली से वापस आने पर विद्यालय में पुष्प गुच्छ से सम्मान किया।

विकास के नाम पर मांगे वोट

भाजपा प्रत्याशी डॉ. पंडाग्रे की पत्नी ने कार्यकर्ताओं के साथ किया जनसंपर्क

सारनी, देशबन्धु। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के कार्यकर्ताओं ने पाथाखेड़ा, शोभापुर सारनी के 36 वार्डों में भाजपा प्रत्याशी डॉ. योगेश पंडाग्रे के पक्ष में जनसंपर्क किया। कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा प्रत्याशी डॉ. योगेश पंडाग्रे की पत्नी मंजू पंडाग्रे द्वारा वार्ड में सघन जनसंपर्क कर विकास के नाम पर वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा कि आमला विधानसभा क्षेत्र में प्रदेश सरकार के माध्यम से चलाए जा रहे सभी योजनाओं का क्रियान्वयन बड़ी ईमानदारी और लगन के साथ करने का काम डॉ.योगेश पंडाग्रे के माध्यम से किया गया है। आमला विधानसभा क्षेत्र में 26 ऐसे मार्ग का निर्माण किया गया है जिससे छिंदवाड़ा मुलताई। इससे आसपास के जिले में आवागमन करने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि विकास और बेहतर हो सके इसको लेकर डॉ. योगेश पंडाग्रे को आशीर्वाद दे ताकि वह आमला विधानसभा क्षेत्र का चौमुखी विकास कर सके। जनसंपर्क में विधानसभा संयोजक पी जे शर्मा, विधान सभा प्रभारी राजेश आहूजा,नगर पालिका अध्यक्ष किशोर बरदे,झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ मध्यप्रदेश के सह संयोजक रंजीत सिंह, मंडल अध्यक्ष नागेन्द्र निगम,जीपी सिह, प्रकाश शिवहरे,श्याम मदान,भीम बहादूर थापा,रेवांशकर मगरदे, वार्ड के स्थानीय वरिष्ठ नेताओं व कार्यकर्ताओं ने किया। भाजपा के मंडल अध्यक्ष नागेन्द्र निगम ने बताया की भाजपा कार्यकर्ता लगातार सारनी मंडल के विभिन्न वार्डो में जनसंपर्क व बैठक कर रहे है।

गाजे-बाजे के साथ जनसंपर्क: भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर योगेश पंडाग्रे के पक्ष में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक सुधा चंद्रा एवं सारनी मंडल के महामंत्री प्रकाश शिवहरे के नेतृत्व में शोभापुर कॉलोनी के 6 वार्डों में गाजे बाजे के साथ जनसंपर्क करने का कार्य किया है। बताया जाता है कि प्रदेश और केंद्र सरकार के नेताओं के माध्यम से जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनमानस तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

कलेक्टर एसपी ने सिवनी मालवा और होशंगाबाद में प्रशिक्षण स्थल एवं मतदान सुविधा केंद्र का किया निरीक्षण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह ने सोमवार को सिवनीमालवा और होशंगाबाद विधानसभा क्षेत्र का भ्रमण कर यहां संचालित मतदान कर्मियों के प्रशिक्षण एवं मतदान सुविधा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी मतदान कर्मियों को मतदान संबंधी सभी बारीकियों के बारे में अच्छे से जानकारी देने के निर्देश मास्टर ट्रेनर्स को दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि मतदान कर्मियों के डाक मत पत्र से मतदान के संबंध में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों का गंभीरता से पालन किया जाए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मतदान कर्मियों से ईवीएम और मतदान संबंधी प्रश्न भी पूछें। निरीक्षण के दौरान रिटर्निंग अधिकारी आशीष पांडे एवं सिवनीमालवा में रिटर्निंग अधिकारी प्रमोद गुर्जर मौजूद रहें। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया की 17 नवंबर को होने वाले मतदान के संबंध में मतदान दलों को दूसरा प्रशिक्षण 5 नवंबर से 9 नवंबर तक दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मतदान दल बनाए जा चुके है, जो विधानसभा में मतदान कराएंगे। जो मतदान कर्मी 17 नवंबर को मतदान करेंगे, वे उस दिन वोट नहीं डाल पाएंगे। इसके लिए चारों विधानसभाओं के प्रशिक्षण केंद्र में डाक मतपत्र मतदान सुविधा केंद्र बनाए गए हैं। जिसमें मतदान कर्मी पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपनी विधानसभा के लिए मतदान कर रहे हैं। डाक मत पत्र सुविधा केंद्र 5 नवंबर से 9 नवंबर तक संचालित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे वृद्ध और दिव्यांग मतदाता जिन्होंने घर पहुंच मतदान सुविधा के लिए सहमति दी थी, उनका भी 6 नवंबर से 8 नवंबर तक मतदान दलों द्वारा घर पर जाकर मतदान कराया जा रहा है। 9 नवंबर को केवल किसी कारणवश मतदान से छूटे मतदाताओं को घर पहुंच मतदान सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। सोमवार को आयोजित प्रशिक्षण में मतदान कर्मियों को ईवीएम मशीन का हैंड्स ऑन प्रशिक्षण भी दिया गया तथा दिखावटी मतदान के बारे में भी बताया गया।

ईवीएम मशीन का संचालन की प्रक्रिया मार्कपोल एवं पीठासीन अधिकारी द्वारा घोषणा पत्र तथा रिपोर्ट के फार्म के साथ ही मतपत्र लेखा एवं अन्य विभिन्न प्रपत्रों को भरना भी प्रशिक्षण में बताया गया। प्रशिक्षण पीपीटी के माध्यम से भी दिया गया। पीठासीन अधिकारी की पुस्तिका भी प्रदान की गई। हर विधानसभा के प्रशिक्षण स्थल पर सभी विधानसभा होशंगाबाद, पिपरिया, सोहागपुर एवं सिवनी मालवा के कर्मचारियों ने पोस्टल बैलट के माध्यम से मताधिकार का उपयोग किया। प्रशिक्षण के अंत में सभी मतदान कर्मियों से प्रश्न पत्र हल करवाया गया।

प्रशिक्षण में अनुपस्थित कर्मचारियों के विरुद्ध कार्यवाही करें : जिला निर्वाचन अधिकारी

नर्मदापुरम, देशबन्धु। जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित समय सीमा की बैठक में आगामी विधानसभा निर्वाचन अंतर्गत मतदान कर्मियों के द्वितीय प्रशिक्षण, विधानसभा स्तर पर ईवीएम मशीनों का सेकंड रेंडमाइजेशन, कमीशनिंग, मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं इत्यादि बिंदुओं पर समीक्षा कर रिटर्निंग अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी विधानसभाओं में संचालित मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण प्रभावी ढंग से आयोजित किया जाए। मतदान कर्मियों को ईवीएम के संचालन सहित सभी मतदान संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अच्छे से प्रशिक्षण दें। सभी रिटर्निंग अधिकारी, सेक्टर ऑफिसर भी ईवीएम का हैंड्स ऑन प्रशिक्षण प्राप्त करें। प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने वाले मतदान कर्मियों के विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की जाए। उन्होंने पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान कर्मियों के मतदान की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 7 नवंबर को विधानसभा स्तर पर ईवीएम मशीनों का सेकंड रेंडमाइजेशन किया जाएगा।

उन्होंने रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देशित किया कि रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया ऑब्जर्वर, अभ्यर्थी और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में की जाए। रेंडमाइजेशन के पश्चात कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और वीवीपीएटी को मतदान केंद्र के अनुसार जमाया जाए। उन्होंने कहा कि 8 नवंबर को ईवीएम मशीनों को मतदान के लिए तैयार (कमीशनिंग)करने की प्रक्रिया की जाए। रेंडमाइजेशन और कमिश्निंग दोनों प्रक्रियाओं की वीडियोग्राफी कराया जाना सुनिश्चित करें। 6 नवंबर से 8 नवंबर तक संचालित घर पहुंच मतदान सुविधा के संबंध में सभी रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश दिए की वृद्ध एवं दिव्यांग मतदाताओं के मतदान के लिए पोलिंग पार्टी और ऑब्जर्वर समय पर रवाना हो। घर पहुंच मतदान के संबंध में संबंधित अभ्यर्थियों को भी सूचना दी जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में सभी जनपद सीईओ और सीएमओ से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि मतदान केंद्रों पर शुद्ध पेयजल, रैंप, व्हीलचेयर, बैठक व्यवस्था, रोशनी आदि आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करें। बैठक में कलेक्टर ने जिले में खाद की उपलब्धता एवं वितरण, खरीफ उपार्जन एवं आगामी त्योहारों पर आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में भी निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ एसएस रावत, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह सहित अन्य सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

कांग्रेस प्रत्याशी पटेल को मिल रहा हर वर्ग का समर्थन

- नर्मदा में स्नान और पूजा के बाद निकलते हैं जनसम्पर्क पर
- आदिवासी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करेंगे नुक्कड़ सभा

सोहागपुर, देशबन्धु। कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पराज पटेल चुनाव प्रचार के लिए निकलने से पहले मां नर्मदा में स्नान के बाद पूजा करते है। इसके बाद वह जनसम्पर्क के लिए निकल पड़ते हैं, यह उनकी रोजमर्रा की दिनचर्या बन गई है। सहज सरल स्वभाव के श्री पटेल को हर वर्ग का समर्थन मिल रहा है। दरअसल कांग्रेस पिछले 3 विधानसभा चुनाव 2008 से लेकर 2018 तक लगातार भाजपा के हाथों पराजित होती रही। शायद यही वजह रही कि पुरानी गलतियों से सबक लेकर कांग्रेस और उसके प्रत्याशी पुष्पराज पटेल ने नई रणनीति बनाई है। जिसके तहत वह अपना चुनाव प्रचार कर रहे हैं। मतदाताओं से जनसम्पर्क करने निकले श्री पटेल के साथ इस दौरान अधिकतर अन्य समाज के प्रभावशाली व्यक्तित्व और कार्यकर्ता भ्रमण करते नजर आ रहे हैं। कभी भाजपा का परंपरागत वोट बैंक पुरबिया, रघुवंशी समाज भी धीरे-धीरे कांग्रेस के साथ होता दिखाई दे रहा है। पुष्पराज पटेल के जनसंपर्क के दौरान भटगांव में हरगोविंद पुरवइया, समाजसेवी सरपंच सुधीर पटेल सहित कई बड़े नेताओं ने कांग्रेस प्रत्याशी पटेल का जोरदार स्वागत किया। वहीं दूसरी तरफ रघुवंशी समाज के सामाजिक बंधुओ ने कई ग्रामों में जोरदार स्वागत किया। श्री पटेल का कहना है कि मैं जाति के आधार पर चुनाव नहीं लड़ रहा बल्कि अपने संघर्षशील कार्यों के आधार पर मतदाताओं का आशीर्वाद मांग रहा हूं। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों से आम जनता के लिए संघर्ष करता रहा हूं। सोहागपुर में पढ़ा-लिखा खेला कूदा हूं, यह विधानसभा मेरा परिवार है। आप मुझे जीस चश्मे से देखेंगे मैं उसमें नजर आऊंगा। विधानसभा में 242873 के लगभग मतदाता है, पुरुष मतदाता 127521 हैं। वहीं महिला मतदाताओं की संख्या 115346 हैं थर्ड जेंडर 6 है। जिसमे सबसे ज्यादा गुर्जर मतदाता है, जिसके चलते कांग्रेस ने एक बार पुन: पुष्पराज पटेल को कांग्रेस पार्टी से अपना प्रत्याशी बनाया है।

कांग्रेस इस बार स्थानीय प्रत्याशी को कांग्रेस ने बड़ा मुद्दा बनाया है। भाजपा प्रत्याशी पिछले 3 बार से विधायक है आम जनता ने पिछले 2 चुनाव में इस मुद्दे को महत्व नहीं दिया, परंतु इस चुनाव में आम नागरिक मतदाताओं का समर्थन कांग्रेस प्रत्याशी को मिलता नजर आ रहा है। सोमवार को नगर में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी और नगर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शास्त्री वार्ड रामगंज किलापुरा सरदार वार्ड में घर-घर जाकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

कांग्रेस प्रत्याशी ने माखननगर के ग्राम समौन, भानपुर, बागलखेड़ी, नगवाड़ा, गानेरा नसीराबाद मैं जोरदार चुनाव प्रचार किया। पिछले तीनों चुनाव में सोहागपुर नगर से कांग्रेस हारी है, परंतु इस चुनाव में पुष्पराज का पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है। माखननगर से कांग्रेस को पिछले तीनों चुनाव में भारी नुकसान झेलना पड़ा है। यहां से भाजपा के प्रत्याशी विजय होते रहे हैं, इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी माखननगर में जोर लगा रहे हैं वहां के यादव मीणा और ब्राह्मण बहुल सामाजिक नेता उनके साथ है। चुनाव प्रचार के दौरान भानपुर के सरपंच रवि यादव, समाज के जिला अध्यक्ष मुकेश यादव, हरि यादव, साथ थे। मंगलवार को आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष रामू टेकाम प्रचार करने पहुंच रहे हैं। श्री पटेल का आदिवासी समाज द्वारा भी सेमरी हरचंद में स्वागत किया जाएगा। इस दौरान राजा साहब भी साथ में होंगे, प्रदेश अध्यक्ष धाईफुटान पठाई, मगरिया खापा, खड़पाबढ़, ढाना, उढदोन, घोघरी, टेकपार, सेहरा, सारंगपुर मैं नुक्कड़ सभाओं का आयोजन किया जाएगा।

57 बैलेट यूनिट, 57 कंट्रोल यूनिट एवं 66 वीवीपीएटी मशीनों का विधानसभावार आवंटन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए अतिरिक्त 5 प्रतिशत ईव्हीएम एवं व्हीव्हीपीएटी का प्रथम सप्लीमेंट्री रेण्डमाईजेशन सोमवार को जिला कार्यालय के रेवा सभाकक्ष में किया गया। जिसमें 57 कंट्रोल यूनिट और बैलेट यूनिट तथा 66 वीवीपीएटी मशीनों का विधानसभाओं का आवंटन किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नीरज कुमार सिंह तथा राजनैतिक दलों की उपस्थिति में समस्त प्रक्रिया संपन्न की गई।

जिसमें एफएलसी ओके मशीनों को निर्वाचन आयोग के ईएमएस सॉफ्टवेयर पर विधानसभावार आवंटन किया गया। उल्लेखनीय है कि पूर्व में 16 अक्टूबर को कुल 1187 मतदान केंद्रों के लिए 1371 बैलेट यूनिट, 1371 कंट्रोल यूनिट एवं 1481 वीवीपीएटी मशीनों का आवंटन किया गया था। जो कि 115 प्रतिशत था। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 120 प्रतिशत ईवीएम मशीनों का रेंडमाइजेशन किया जाना है, जिसके परिपालन में सोमवार को 5 प्रतिशत अतिरिक्त ईवीएम मशीनों का प्रथम सप्लीमेंट्री रेंडमाइजेशन कर विधानसभाओं को आवंटन किया गया। जिसमें सिवनीमालवा विधानसभा को 14 कंट्रोल यूनिट, 14 बैलेट यूनिट तथा 17 वीवीपीएटी , होशंगाबाद विधानसभा को 13 कंट्रोल यूनिट,13 बैलेट यूनिट और 15 वीवीपीएटी , सोहागपुर विधानसभा को 16 बैलेंस यूनिट और 16 कंट्रोल यूनिट तथा 17 वीवीपीएटी तथा पिपरिया विधानसभा को 14 कंट्रोल यूनिट और 14 बैलेट यूनिट तथा 17 वीवीपीएटी का आवंटन किया गया। ईव्हीएम मशीनों के रेण्डमाईजेशन उपरांत जिले के तवा भवन परिसर स्थित ईव्हीएम वेयरहाउस को राजनैतिक दलों की उपस्थिति में खोला जाकर विधानसभा क्षेत्रवार मतदान के लिए आवंटित ईव्हीएम मशीनों का भौतिक चिन्हांकन कर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं पर्याप्त पुलिस बल की अभिरक्षा में सील्ड ट्रंक वाहन द्वारा विधानसभा स्तरीय ईव्हीएम स्ट्रांग रूम में स्थानांतरित किये जाने की कार्यवाही की गई। रेण्डमाईजेशन की संपूर्ण कार्यवाही के दौरान सीईओ उप जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार सिंह , नेशनल लेवल मास्टर ट्रेनर पंकज दुबे ,कार्यपालन यंत्री कुबेर सिंह मिर्धा, डीआईओ मनीष गुणवान, निर्वाचन सुपरवाइजर कैलाश दुबे सहित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि ,सभी रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी उपस्थित रहें।

सार समाचार

फोटोयुक्त 12 दस्तावेजों में से कोई एक दिखाकर होगा मतदान

नर्मदापुरम, देशबन्धु। आगामी 17 नवम्बर को मतदान से पहले मतदान केंद्र पर अपनी पहचान के लिए फोटो पहचान पत्र अर्थात ईपिक प्रस्तुत करना होगा। वे मतदाता, जो फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखाना होगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीरज कुमार सिंह ने मतदाताओं से अपील की है कि वे मतदान के दिन ईपिक कार्ड या अन्य वैकल्पिक 12 दस्तावेजों में से कोई एक पहचान पत्र अवश्य लेकर जाएं ताकि मतदान के दौरान कोई परेशानी न हो।

मतदान के लिए मेगा मैराथन 8 नवंबर को

नर्मदापुरम, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला में 8 नवंबर को मतदान के लिए जिला प्रशासन द्वारा मैराथन इवेंट का आयोजन किया जा रहा है। मैराथन 8 नवंबर को दोपहर 3 बजे पुलिस परेड ग्राउंड से शुरू होगी। मैराथन में सम्मिलित होने के लिए इच्छुक व्यक्ति लिंक पर अपना पंजीयन करा सकते हैं। मैराथन में प्रथम आने वाले प्रतिभागी को 5 हजार रुपए, द्वितीय आने वाले को 3 हजार रुपए एवं तृतीय आने वाले को 2000 रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं नोडल स्वीप एसएस रावत ने मैराथन के सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं।

जिला बदर के आरोपी पल्टू उर्फ गुड्डन लोधी को गिरफ्तार किया

सागर, देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक के द्वारा आदतन अपराधियों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सागर एवं बीना, एसडीओपी देवरी के मार्गदर्शन में अनावेदक पल्टू उर्फअंकित पिता गुड्डन लोधी उम्र 24 साल निवासी सुखचैन वार्ड देवरी का जिला दण्डाधिकारी सागर के आदेश 25 सितम्बर 23 को अनावेदक पल्टू उर्फअंकित लोधी जिला सागर एवं सीमावर्ती जिलों से 12 माह के लिये जिला बदर करने का ओदश जारी किया गया था उपरोक्त आदेश के पालन में अनावेदक का नोटिस 17 अक्टूबर 23 को तामील किया गया एवं अनावेदक को सीमावर्ती जिलों से बाहर भेजा गया था। अनावेदक पल्टू उर्फअंकित लोधी अपने घर सुखचैन वार्ड देवरी में 5 नवम्बर उपस्थित मिला जिससे जिससे दण्डाधिकारी सागर की लिखित कोई भी आदेश एवं लायसेंस प्राप्त नही हुआ है। अनावेदक के द्वारा जिला दण्डाधिकारी सागर के आदेश का उलंघन एवं अवैध रुप छुरा रखना पाये जाने से अनावेदक के विरुद्ध थाना देवरी में अपराध धारा 25 (1) बी आर्म्स एक्ट एवं मप्र रा.सु. अधि. 1990 की धारा 14 के तहत कार्यवाही कर आरोपी को न्यायालय पेश किया गया है। जो न्यायिक अभिरक्षा में उपजेल रहली में निरुद्ध है। उपरोक्त कार्यवाही में निरी. रोहित डोंगरें, शैलेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह, मनीष तिवारी एवं आशीष गौतम का योगदान रहा।

टीन शेड में मिला बुजुर्ग का शव

खुरई, देशबन्धु। महाकाली मंदिर के टीन शेड में एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव मिला। घटना की जानकारी लोगों ने पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त की और परिजनों को सूचना दी। आधार कार्ड के मुताबिक शव की शिनाख्त छोटेलाल उर्फसंजय पिता डमरूलाल सेन 70 निवासी बिहारी वार्ड खुरई के रूप में हुई। मृतक रोजाना महाकाली मंदिर टीन शेड पर ही सोता था। मृतक के परिजन बीना में रहते हैं जिसकी जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया। इसके बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवक की अज्ञात कारणों से हुई मौत

खुरई, देशबन्धु। शहरी थाना क्षेत्र के ऋषभ कुमार वार्ड के खेरा नाका में अज्ञात कारणों के चलते एक 18 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक तरुण उर्फअंशु पिता उमेश वाल्मीकि अपने कमरे में नीचे जमीन पर बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ था। जिसे परिजन तत्काल खुरई सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल प्रबंधन ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव का पोस्टमॉर्टम कराया। इसके बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जैन मिलन मकरोनिया ने निकाली फटाका निषेध रैली

मकरोनिया, देशबन्धु। जैन मिलन मकरोनिया क्षेत्र क्र. 10 के द्वारा मुनि श्री सुदत्तसागर एवं छुल्लक श्री चंद्रदत्त सागर के सानिध्य एवं निर्देशन में उनके आशीर्वाद से मकरोनिया क्षेत्र में फटाका निषेध रैली का आयोजन किया गया जिसमें पाठशाला के बच्चे हाथ में तख्ती लेकर चल रहे थे। इस अवसर पर जैन समाज के लोगों द्वारा पटाखा ना चलाने की शपथ लेकर शपथ पत्र भरे।

सुरेश जैन अध्यक्ष जैन मिलन मकरोनिया ने बताया कि इस रैली का उद्देश्य वातावरण को स्वच्छ एवं साफ बनाना है साथ ही जो लाभकारी सूक्ष्मजीव होते हैं उनके प्राणों की रक्षा करना, ताकि प्रदूषण को रोका जा सके। इस अवसर पर महेश जैन, अरुण चंदेरिया, संजय जैन शक्कर, प्रदीप जैन, पीसी जैन, राकेश जैन के साथ-साथ बड़ी संख्या में जैन समाज एवं जैन मिलन के सदस्य उपस्थित थे कार्यक्रम के अंत में वीर राजेश जैन एवं रविंद्र जैन द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रारुप सी-1

आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल)सं. 536 पब्लिक इंटेरेस्ट फाउडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार)

अभ्यर्थी का नाम एवं पता:- **उमेश कुमार मित्तल मेन रोड, रामलीला मैदान, सेमरी हरचन्द**

राजनैतिक दल का नाम:- **'निर्दलीय'**

(स्वतंत्र अभ्यर्थी यहां 'निर्दलीय' लिखे)

निर्वाचन का नाम:- **म.प्र. विधान सभा**

निर्वाचन क्षेत्र का नाम:- **138-सोहागपुर**

मैं **उमेश कुमार मित्तल** (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना के लिए अपने आपराधिक पूर्ववत के बारे में निम्नलिखित विवरणों की घोषणा करता हूं।

A) लंबित आपराधिक प्रकरण

क्रमांक	न्यायालय का नाम	प्रकरण संख्या एवं तारीख	प्रकरण की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (ओं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
1	न्यायिक मजि. प्रथम श्रेणी नर्मदापुरम	943/18 05.05.2018	विचाराधीन	341, 294, 323, 506, 34 भा.द.वि.
2	न्यायिक दंडाधिकारी सोहागपुर	270/19 04.01.2002	विचाराधीन	451, 294, 506, 34
3	न्यायिक दंडाधिकारी सोहागपुर	140/21 07.07.2021	विचाराधीन	33 (1 ग) भा.वन. अधिनियम

अभ्यर्थी के विरूद्ध आपराधिक मामले लंबित है तो इस विकल्प चिहांकित करें और उपरोक्त विकल्प (1) कोटा कर नीचे की सारणी में सभी लंबित मामलों का ब्यौरा दें।

सारणी

क	संबंद्ध पुलिस थाने के नाम और पते के साथ प्रथम इतिला रिपोर्ट सं.	थाना बाबई जिला नर्मदापुरम अ.क. 488/18	थाना सोहागपुर जिला नर्मदापुरम अ.क. 345/19	वन विभाग सोहागपुर क्रमांक 17285/16
ख	न्यायालय के नाम के साथ मामला सं.	न्यायिक मजि. प्रथम श्रेणी महोदय नर्मदापुरम RCT 943/18	न्यायिक मजि. प्रथम श्रेणी महो. सोहागपुर अ.प्र.क्र. 270/19	न्यायिक मजि. प्रथम श्रेणी महो. सोहागपुर अ.प्र.क्र. 140/21
ग	अंतर्वनित संबंद्ध अधिनियमों/ संहिताओं की धाराएं (धारा की सं. दें अर्थात भारतीय दंड सहित आदि की धारा...)	341, 294, 323, 506 34 भा.द.वि.	451, 294,506, 34 भा.द.वि.	भारतीय वन्य अधिनियम 1927 की धारा 33(1)ग
घ	अपराध का संक्षिप्त विवरण	वर्तमान में उक्त प्रकरण विचाराधीन है।	वर्तमान में उक्त प्रकरण विचाराधीन है।	वर्तमान में उक्त प्रकरण विचाराधीन है।
ड.	क्या आरोप विरचित किए गए है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	हां	हां	हां
च	यदि उपरोक्त मद (5) के सामने उत्तर हां है, तो वह तारीख दे, जिसको आरोप विरचित किए गए से	05.09.2018	04.01.2022	07.07.2021
छ	क्या कार्यवाहियों के विरुद्ध कोई अपीला पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	नहीं	हां माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में MCRC 43179/21 लंबित है।	नहीं

6 दोषसिद्धि के मामले:-

1. मैं यह घोषणा करता हूं कि मुझे किसी आपराधिक मामले में दोषसिद्ध नहीं किया गया है। (यदि अभ्यर्थी दोषसिद्ध नहीं किया गया है तो इस विकल्प को चिन्हांकित करें और नीचे विकल्प (ii) के सामने लागू नहीं होता है लिखे)।

या

(ii) मुझे नीचे वर्णित अपराधों के लिए दोषसिद्ध किया गया है:-

मुख्यमंत्री ने सिंगरोली, रीवा, सतना जिलों में सभाओं को किया संबोधित, भोपाल में भी दक्षिण-पश्चिम पहुंचे, बोले-

कांग्रेस पार्टी दल नहीं दल-दल है

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कांग्रेस पार्टी दलदल बन गई है, जिसमें इंडी गठबंधन ही फंस गया। कोई भी आप पर भरोसा नहीं कर रहा है तो मध्यप्रदेश आप पर कैसे भरोसा करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव कह रहें हैं कि, कांग्रेस चालू पार्टी है, कांग्रेस लोगों को ठगती है, कांग्रेस पर भरोसा करके हमने गलती की। इंडी गठबंधन वाले लोग ही कांग्रेस को कोस रहे हैं, कह रहें हैं कि, कांग्रेस भरोसा करने लायक पार्टी नहीं है।

सोमवार को देवसर, त्योंथर, सेमरिया, रीवा, गुढ़, अमरपाटन और भोपाल की दक्षिण-पश्चिम विधानसभा सहित 7 सीटों पर भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में विशाल चुनावी जनसभा को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश भी सभी क्षेत्रों में निरंतर विकास कर रहा है, लेकिन इस विकास को और गति देने के लिए मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार जरूरी है। इसलिए भाजपा की विजय का संकल्प लेते हुए सभी उम्मीदवारों को भारी बहुमत से विजयी बनाना है, प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को भी आशीर्वाद देना है और मामा शिवराज को भी आशीर्वाद देना है। स्वर्णीम स्वर्णिम मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए प्रदेश में एक बार फिर भाजपा की सरकार बनाना है।

श्री चौहान ने जनसभा के दौरान उन्होंने अपनी लाड़ली बहनों से कहा कि, हर महीने की 10 तारीख को बहनों के खातों में खुशियों की किश्त आती है, लेकिन इस बार 10 तारीख को धनतेरस का त्यौहार है, इसलिए 7 तारीख को ही लाड़ली बहना योजना का बहनों के खातों में पैसा डालूंगा। जिससे बहनें धनतेरस पर खूब खरीदारी कर सकें।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी पर झूठ बोलने का आरोप लगाया। साथ ही मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रियंका गांधी से कई सवाल पूछते हुए कहा कि, जवाब दें प्रियंका जी हम तो प्रदेश की जनता की सेवा में लगें हैं, कांग्रेस पार्टी ने प्रदेश के लिए क्या किया है..?

करोड़ों के लेनदेन का वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस हुई हमलावर

मंत्री तोमर की बर्खास्तगी की मांग

भोपाल, देशबन्धु। केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के बेटे देवेंद्र तोमर के वायरल हुए वीडियो को लेकर कांग्रेस हमलावर हो गई है। पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने इस मामले की न्यायायिक जांच कराने, मंत्री पुत्र को गिरफ्तार करने और मंत्री श्री तोमर को बर्खास्त करने की मांग की है।

श्रीनेत ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि वे इस वीडिया को लेकर कोई पुष्टि नहीं कर रही हैं। लेकिन इससे भाजपा नेताओं की नैतिकता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इस वीडियो के बाद क्या सीबीआई, ईडी और आयकर जैसी जांच एजेंसियों को इस मामले की जांच के लिए आगे नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि वायरल हो रहे वीडियो में देवेंद्र लखनऊ के एक बिचौलिए के जरिए खनिज कारोबारियों से करोडों रुपये लेने के लिए मल्टीपल बैंक अकाउंट के बंदोबस्त की बात करते हुए सुने जा सकते हैं। एक बिचौलिया उनसे अलग-अलग बैंक खातों के डिटेल भी मांगते हुए दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि नरेंद्र सिंह तोमर 2014 से 2019 के बीच केंद्रीय इस्पात और खनन मंत्री रह चुके हैं। वे मुरैना की दिमनी सीट से भाजपा प्रत्याशी हैं।

उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो में त्यागी सरनेम वाले आरबीआई से सेवानिवृत्त आयुक्त के माध्यम से किसी पार्टी के 100 करोड़ देने को तैयार होने की बात हो रही है। किसी हरप्रीत गिल और डीएचएल नाम की फर्म के संचालक से पैसे लेने की बात भी है। बिचैलिया देवेंद्र को कभी गुरुजी, कभी भैया कहकर संबोधित कर रहा है। रोहित भैया नाम के किसी शख्स को पैसे भेजने की बात आती है। राजस्थान-पंजाब की एक पार्टी जिसे ट्रेडिंग फर्म और खनन कारोबारी बताया गया है, उससे 39 करोड़ की डील हो रही है, जिसमें 18 करोड़ पहले आ जाने और बाद में 21 करोड़ और देने की बात हो रही है। बातों से ऐसा प्रतीत होता है कि यह पैसा मोहाली के कोई लैंड व्यापारी के माध्यम से आएगा। श्रीनेत का आरोप है कि इस वायरल वीडियो में बिचौलिया किसी पार्सल का भी जिक्र कर रहा है, इसमें दिल्ली के कृष्णा मेनन मार्ग का पता और पासपोर्ट की जानकारी मांगे जाने की बात होती है। आखिर यह कौन से पैसे हैं, किससे लेने हैं, क्यों लेने है, इन पैसों का क्या होगा?

कांग्रेस प्रवक्ता ने मांग की कि इस पूरे प्रकरण की सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज द्वारा न्यायायिक जांच हो, जब तक इस मामले की जांच हो, तब तक नरेंद्र सिंह तोमर को मंत्री परिषद से बर्खास्त किया जाये। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज कर तुरंत ईडी अपनी जांच शुरू करे। उन्होंने कहा कि नरेंद्र सिंह तोमर बेहद ताकतवर व्यक्ति हैं, उनके लड़के की गिरफ़्तारी हो, जिससे निष्पक्ष जांच हो सके।

चुनाव के दौरान वीडियो बड़ी शंका पैदा करता है

श्रीनेत ने कहा कि मोदी जी को ईडी-ईडी खेलने का बड़ा शौक़ है, लेकिन यहां सीबीआई, ईडी और आयकर टैक्स को मानो सांप सूंघ गया हो। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान ऐसा वीडियो और भी बड़ी शंका पैदा करता है। यह काला धन कहां लगाया गया है। चुनाव आयोग को इस वीडियो का संज्ञान लेकर इसकी सत्यता स्थापित कर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। श्रीनेत ने कहा कि आज सवाल यह है कि इस भ्रष्टाचार के तार कहां तक जुड़े हैं?

केंद्रीय मंत्री पटेल ने कांग्रेस पर किया वार, कहा-

जिनका नेतृत्व जमानत पर हो वो नैतिकता की बात न करें

तोमर साफ-सुथरी राजनीति के लिए जाने जाते हैं

भोपाल, देशबन्धु। केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने वीडियो वायरल मामले में कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा विरोधाभासी और तथ्य से अलग आरोप लगाकर हमेशा विकास की चर्चा से दूर रहना चाहती है। मतदान का समय निकट आ रहा और कांग्रेस को हार का आभास हो गया है, इसलिए कांग्रेस लगातार मनगढ़ंत और तथ्यहीन आरोप लगाकर लोगों को गुमराह करने का काम कर रही है।

श्री पटेल ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि नरेंद्र सिंह तोमर चार दशक से साफ-सुथरी राजनीति के लिए देश भर में सम्मान के साथ जाने जाते हैं। उनके बेटे को ढाल बनाकर कांग्रेस अब ओछी राजनीति करना चाहती है,लेकिन उससे कोई फायदा नहीं होगा। जिस वीडियो को कांग्रेस दिखा रही उसमें श्री तोमर के बेटे का वीडियो सिर्फ दिख रहा। दूसरा कौन व्यक्ति है वह नजर नहीं आ रहा। फिर भी नरेंद्र सिंह तोमर ने खुद शिकायत कर जांच की मांग की है और प्रशासन से आग्रह किया है। श्री पटेल ने कांग्रेस की प्रवक्ता ने नैतिक रूप से आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया है। जब वह यह कहती हैं कि किसी वीडियो कि वह पुष्टि नहीं करती और उसके बाद लगातार अनर्गल आरोप क्यों लगाए गए। यह आदर्श आचार संहिता का नैतिक रूप से उल्लंघन है।

छत्तीसगढ़ के घोटाले से ध्यान हटाना चाहती है कांग्रेस

श्री पटेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जो महादेव ऐप घोटाला सामने आया है। कांग्रेस उससे सबका ध्यान हटाना चाहती है। वहां 508 करोड़ का घोटाले में मुख्यमंत्री तक का नाम सामने आ रहा। गोबर और शराब घोटाला किसी से छिपा हुआ नहीं है,लेकिन कांग्रेस कोई बात नहीं करना चाहती। इसी तरह राजस्थान में लाल डायरी का मामला सबके सामने है। कांग्रेस में वसूली होती रही है यह उनका इतिहास है। जब उनका शीर्ष नेतृत्व जमानत पर हो तो कांग्रेस को इस तरह के झूठे आरोप नहीं लगाना चाहिए।

नेता प्रतिपक्ष के भाई भाजपा में शामिल

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह के भाई शैलेंद्र सिंह ने आज भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। उनके साथ वरिष्ठ नेता रमेश कुशवाहा और अन्य कार्यकर्ता भी भाजपा में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर, वरिष्ठ नेता रघुनंदन शर्मा, प्रदेश कार्यालय मंत्री डॉ. राघवेंद्र शर्मा, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने पार्टी में शामिल किया।इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने भाजपा की सदस्यता लेने वाले शैलेंद्र सिंह, कांग्रेस के पूर्व सरपंच रमेश कुशवाहा, मनोज कुशवाहा, अरूण कुशवाहा, रविन्द्र कुशवाहा एवं रमेश रावत का स्वागत करते हुए कहा कि सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास हमारे नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नारा है। इस अवसर पर पार्टी की प्रदेश सह मीडिया प्रभारी श्रीमती क्षमा त्रिपाठी, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. पंकज चतुर्वेदी, मिलन भार्गव, भिण्ड जिले के रामप्रकाश तिवारी एवं ह्रदेश शर्मा उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री ने अठावले ने कहा-

मप्र, छत्तीसगढ, राजस्थान सहित पांचों राज्यों में भाजपा को मिलेगी सफलता

भोपाल, देशबन्धु। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री रामदास अठावले ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार सभी वर्गों की भलाई के लिए काम कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ सहित 5 राज्यों में भाजपा को सफलता मिलेगी।

भोपाल दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी भगवानदास सबनानी के समर्थन में चुनाव प्रचार के लिए यहां पहुंचे श्री अठावले ने कहा कि प्रधानमंत्री सबका साथ, सबका विकास के नारे के साथ काम कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में नई-नई योजनाएं प्रारंभ की गई हैं और विकास की गति तेज हुई है। उन्होंने विपक्ष की ओर से संविधान को लेकर किए जा रहे दुष्प्रचार को लेकर कहा कि हम संविधान नहीं बदलेंगे, बल्कि जहां-जहां कांग्रेस काबिज है वहां से कांग्रेस को बदल देंगे। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि विपक्ष की ओर से जानबूझ कर यह हौबा खड़ा किया जा रहा है कि मोदी सरकार संविधान को बदलना चाहती है, जबकि यह सच्चाई नहीं है। संविधान में संशोधन किए जाते हैं, आवश्यकता अनुसार यह कानून बनाए जाते हैं, वही काम मोदी सरकार कर रही है। कश्मीर से धारा 370 को हटाना ऐसा ही एक कदम था। उन्होंने दावा किया कि धारा 370 हटने से कश्मीर में आतंकवाद पर नकेल कसी गई है। श्री अठावले ने इस बात को भी गलत बताया कि भाजपा मुसलमानों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं, जैसे- गरीबों को मुफ्त राशन, उज्जवला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान योजना इससे किसी एक वर्ग को नहीं, सभी को लाभ मिल रहा है। श्री अठावले ने कहा कि उनके मंत्रालय की ओर से 2 करोड़ 68 लाख दिव्यांगों को सहायता उपलब्ध कराई गई है।

अखिलेश को इंडिया गठबंधन से बाहर आना चाहिए

श्री अठावले ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को इंडिया गठबंधन से बाहर आना चाहिए। उन्होंने यह बात तब कही जब उनसे पूछा गया कि अखिलेश यादव ने कांग्रेस को चालू पार्टी कहा है। इस अठावले ने कहा कि अखिलेश कांग्रेस की असलियत समझ गये हैं।

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कांग्रेस पर साधा निशाना, बोले-

पहले झूठे वादे कर सरकार बनाओ फिर मुकर जाओ

भोपाल, देशबन्धु। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने आज कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा मतदाताओं को ठगने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सत्ता में आने के लिए चुनाव के समय झूठे वायदे कर लेती है, चुनाव जीतने के बाद वह अपने वादे से मुकर जाती है। केंद्रीय मंत्री चंद्रशेखर राजधानी भोपाल में पत्रकार वार्ता को सम्बोधित कर रहे थे।

श्री चंद्रशेखर ने कहा कि झूठ, ठगी और लूट की कांग्रेस की रणनीति का सबसे ताजा उदाहरण कर्नाटक है। यहां कांग्रेस ने चुनाव के पहले जनता से जो वादे किये थे, जो गारंटी दी थी, सरकार बनने के बाद कांग्रेस उन सभी से मुकर गई। उन्होंने कहा कि सरकार बनाने के बाद कांग्रेस के नेता किस तरह की लूट मचाते हैं, कर्नाटक, राजस्थान और छत्तीसगढ़ इसके उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अब तो कांग्रेस के इंडी गठबंधन के सहयोगी भी कांग्रेस की इस रणनीति को पहचान गए हैं, इसीलिए सपा नेता अखिलेश यादव ने कांग्रेस को एक धोखा बताया है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने झूठ बोलकर, लोगों को भ्रमित करके कर्नाटक में सरकार तो बना ली, लेकिन इस सरकार की असलियत सिर्फ 4 महीनों में ही सामने आ गई है, कर्नाटक में विकास के सारे काम रुक गए हैं। वहां के एमएलए और डिप्टी सीएम तक ये कहने लगे हैं कि विकास के कामों के लिए सरकार के पास पैसा ही नहीं है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक के कई जिले इस समय सूखे का सामना कर रहे हैं और ऐसे समय में किसान अपनी सूख रही फसलों को पानी भी नहीं दे पा रहे हैं, क्योंकि उन्हें पर्याप्त बिजली नहीं मिल रही है।

रोटरी की मतदान जागरूकता रैली को विस के प्रमुख सचिव और कलेक्टर ने झंडी दिखाई

विधानसभा में अच्छे विधायक चुनकर भेजना नागरिकों का दायित्व : सिंह

भोपाल, देशबन्धु। मतदान करने का संदेश देने के लिए आज नागरिकों को जागरुक बनाने के लिए एकता पार्क से वाहन रैली निकाली गई। समाजसेवी संस्था रोटरी क्लब्स ऑफ भोपाल द्वारा आयोजित इस वाहन रैली का मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह और कलेक्टर आशीष सिंह भोपाल द्वारा झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया। मतदान जागरुकता के लिए निकाली इस रैली में 50 से अधिक वाहन शामिल थे। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद विस के प्रमुख सचिव श्री सिंह ने भोपाल के रोटरी क्लब्स के प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मज़बूती के लिए नागरिकों का यह दायित्व बनता है कि वह अच्छे प्रतिनिधि विधानसभा में चुनकर भेजें। इसके लिए हमें शत-प्रतिशत मतदान कर अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। आशा है कि भोपाल के रोटेरियन द्वारा लोकतंत्र में भागीदारी के लिए निकाली गई, रैली नागरिकों में मतदान जागरुकता के लिए प्रभावी रहेगी। रैली के आरंभ में रोटरी के सदस्यों द्वारा मतदान के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए शपथ ली गई।

इस अवसर पर रो.जिनेंद्र जैन, पूर्व मंडलाध्यक्ष, रो.रवि गोइल, एस के भार्गव, दीपेश भंडारी, दिनेश जैन, शुभ्रांसु उपाध्याय, मो अली, मनोज झा, आभाष जैन आदि के साथ रोटरी क्लबों के पदाधिकारी व सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा किया जा रहा नवाचार

मतदान प्रतिशत बढ़ाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी होंगे पुरस्कृत

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होगा। प्रदेश में इस बार मतदान प्रतिशत को बढ़ाने में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, रिटर्निंग अधिकारी और बूथ लेवल अधिकारी को नकद राशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। यह नवाचार मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा किया जा रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक मतदान प्रतिशत वाले शीर्ष 3-3 बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को सम्मानित किया जाएगा। इस तरह से प्रदेश के 690 बीएलओ को पुरस्कार के रूप में 5-5 हजार रुपए की नकद राशि व प्रशस्ति पत्र भेंट की जाएगी। वहीं स्वीप गतिविधियों के माध्यम से जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने और निर्वाचन प्रक्रिया में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 230 विधानसभा क्षेत्रों में से शीर्ष-3 विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारियों को 1-1 लाख रुपये और शीर्ष -3 कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी और जिला नोडल अधिकारी (स्वीप) को संबंधित विधानसभा क्षेत्र एवं जिले में स्वीप गतिविधियों के लिए 5-5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र भेंटकर सम्मानित किया जाएगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष

पुलिया की रेलिंग तोड़कर रेलवे.... अधिकारी भी पहुंच गए। घटना के बाद मौके पर पहुंचे कोतवाली, सदर, जीआरपी, आरपीएफ सहित कई थानों की पुलिस ने मृतकों के शवों और घायलों को बस से बाहर निकाला. घायलों को तुरंत एंबुलेंस के जरिए अस्पताल भिजवाया गया. डॉक्टरों ने दो महिलाओं सहित कुल चार लोगों को मृत घोषित कर दिया है। अस्पताल में भर्ती मरीजों में से पांच लोगों के गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया है। पुलिस-प्रशासन का कहना है कि राहत एवं बचाव कार्य पूरा होने और घायलों को इलाज मुहैया कराने के बाद हादसे की जांच शुरू होगी।

दिल्ली-एनसीआर में फिर.... झटके महसूस किए गए थे। इन तीनों भूकंपों का केंद्र नेपाल में ही था। फिलहाल इस भूकंप से किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के झटकों के कारण कयी जगहों पर लोग डर के कारण घर से बाहर निकल आए। केंद्र ने बताया कि आज आये भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने 5.6 मापी गयी। भूकंप के झटके अपराह्न 16 बजकर 16 मिनट और 40 सेकंड पर महसूस किसे गये। भूकंप का केंद्र 28.89 अक्षांश और 82.36 देशांतर में जमीन की सतह से 10 किलोमीटर की गहराई में था।

दिल्ली में 13 से लागू होगा ऑड-ईवन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के बीच एक बार फिर दिल्ली सरकार ने ऑड-ईवन योजना लागू करने का फैसला किया है। ग्रैप के चौथे चरण लागू करने के साथ केजरीवाल सरकार ने ऐलान कर दिया है कि इस बार दिवाली के अगले ही दिन यानी 13 नवंबर से 20 नवंबर के बीच एक हफ्ते के लिए ऑड- ईवन स्कीम चलाई जाएगी। दिल्ली सरकार का कहना है कि इस एक हफ्ते में इस पर स्टडी की जाएगी कि क्या इस स्कीम से प्रदूषण में कोई कमी आई है या नही? अगर प्रदूषण के स्तर में किसी तरह की कमी नजर आती है तो फिर इसे आगे लागू करने पर भी विचार किया जाएगा। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा इस ऑड ईवन के दौरान क्या तैयारियां की जाएंगी और इसे किस तरह से चलाया जाएगा इसको लेकर पहली बैठक 7 नवंबर को बुलाई गई है।

दरअसल, ये चौथी बार होगा जब दिल्ली की केजरीवाल सरकार ऑड- ईवन स्कीम को लागू करने जा रही है। इससे पहले साल 2016 में दो बार 1 जनवरी से 15 जनवरी 2016 तक इसे चलाया गया और फिर साल 2016 में ही 15 अप्रेल से 30 अप्रैल के बीच दिल्ली में ऑड-ईवन लगाया गया। वहीं तीसरी बार साल 2019 में 4 नवंबर से 15 नवंबर तक ऑड-ईवन फिर से लागू किया गया था।

दिग्विजय ने किया दावा, बोले

कांग्रेस को प्रदेश में मिलेंगी 130 सीटें

भाजपा ने चोरी की कांग्रेस की योजनाएं

नागदा, देशबन्धु। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मध्यप्रदेश में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस 130 से ज्यादा सीटों पर जीत दर्ज कराएगी।

श्री सिंह ने रविवार को उज्जैन जिले के खाचरौद स्थित सत्यम शिवम गार्डन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। कार्यक्रम में उनकी पत्नी श्रीमती अमृता सिंह भी मौजूद थी।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश में नीवन जिलों और तहसीलों के गठन के लिए आयोग बनाया जाएगा। दिग्विजय ने यहां भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि, मामा सिर्फ घोषणा करते है, उन पर अमल नहीं करते हैं। नागदा को जिला बनाने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की 3 बार की घोषणा पर तंज कसते हुए दिग्विजय ने कहा कि कांग्रस सरकार बनने पर जिला एवं तहसीलों का निर्माण करने के लिए आयोग का गठन किया जाएगा। एक और महत्वपूर्ण बात उन्होंने यहां कही कि आज भी लोगों के पास पुश्तैनी मकानों के कोई दस्तावेज नहीं हैं, कांग्रेस सरकार बनते ही ऐसे पुश्तैनी मकानों की नि:शुल्क रजिस्ट्री की जाएगी। जिसका शुल्क भी सरकार वहन करेगी। श्री सिंह ने कहा कि वर्ष 1993 की तरह पंचायती राज्य की संकल्पना को प्रदेश में लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री की लाड़ली योजना के बारे में वे बोले इस प्रकार की योजना कांग्रेस ने अन्य प्रांतों में बनाई थी, जिसको भाजपा ने चुराया है। भाजपा 1250 रुपए देने की बात कर रही है हमारी सरकार बनने पर महिलाओं को 15 सौ रूपए प्रतिमाह दिया जाएगा। दिग्विजय ने भाजपा नेताओं को निशाने पर लेते हुए कहा कि ये लोग बोलते है कि कमलनाथ सरकार के वादे के अनुरूप किसानों का कर्जा माफ नहीं हुआ, जबकि प्रदेश में 27 लाख लोगों का कर्जा माफ हुआ। यहां तक कि शिवराज के परिवार के लोगों का भी कमलनाथ सरकार में कर्जा माफ हुआ। इस मौके पर पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं को आगाह किया कि वह मतदान और मतगणना के दिन पूरी तरह से सतर्क रहें, अपना- अपना बूथ संभाले इस दौरान में कांग्रेस प्रत्याशी दिलीपसिंह गुर्जर ने भी विचार रखे और नागदा को जिला बनाने के संकल्प को दोहराया।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: पलाश सुरजन, कार्यकारी संपादक: ज़ाकिर अली* फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।